सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 66, नई दिल्ली । शनिवार, 18 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता तुम्हारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता तुम्हें दुनिया का परिचय करवाती है।

03 विभव ने मेरे पेट में लातें मारी,मुंह पर थप्पड और घूंसे मारे, कपडे खींचे ...
06 केजरीवाल को जमानत का निर्णय व न्याय की परीक्षा
08 लालची एक्टर्स और क्रिकेटर्स हमारी आने वाली पीढ़ी को कर रहें हैं बर्बाद

आनलाइन फेस फ्री आवेदन करवाने वाला राज्य था दिल्ली पर ट्रैफिक मैनेजमेंट को आनलाइन करने वाला पहला राज्य बना सिक्किम

भारत देश में पहला राज्य जहा की जा रही है पूर्ण रूप से ट्रैफिक पुलिस की छुट्टी!

संजय बटला

नई दिल्ली। 25 मई से पूर्ण राज्य में चालान काटने से लेकर कागज देखने तक के सभी काम संभालेगा ए.आई., ट्रैफिक संचालन के कामकाज को ज्यादा सटीक करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए परिवहन विभाग ने यह फैसला लिया है। खास बात यह है कि सभी प्रकार के वाहन से सम्बंधित दस्तावेजो की जांच भी अब ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए ही की जाएगी। देश के उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के परिवहन विभाग ने ट्रैफिक मैनेजमेंट को पूरी तरह से ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के हवाले करने का फैसला कर लिया है। राज्य में अब ट्रैफिक का संचालन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के जरिए होगा और इसमें इंसान का हस्तक्षेप बेहद कम होगा। सिक्किम परिवहन विभाग ने गुरुवार को इसका ऐलान करते हुए बताया कि 25 मई से नई व्यवस्था लागू की जाएगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से ट्रैफिक मैनेज कराने का उद्देश्य नियमों के उल्लंघन के मामलों में कमी लाना और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती लाना है। विभाग के अनुसार नई व्यवस्था में सॉफ्टवेयर अपने आप सभी कागजातों की जांच करेगा और उल्लंघन करने वालों को चालान भेजेगा। परिवहन विभाग की तरफ से कहा गया ₹ट्रैफिक मैनेजमेंट को आधुनिक बनाने के लिए और ट्रैफिक संचालन की सटीकता और क्षमता बढ़ाने के लिए सिक्किम सरकार आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत कर रही है।₹ परिवहन विभाग द्वारा सभी वाहन मालिको को अपने सभी कागजात पूरे करवाकर रखने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। **सिक्किम परिवहन विभाग के नोटिस के अनुसार सभी वाहन मालिकों को हर तरह के कागजात तैयार रखने के लिए कहा गया है।** सरकारी वाहनों के मालिकों को भी सभी तरह के सर्टिफिकेट अपडेट रखने के निर्देश दिए गए हैं। **ई-चालान से होने वाली किसी भी तरह की गड़बड़ी या विवाद को जिले के एसपी या आरटीओ के पास सुलझाया जा सकता है।**

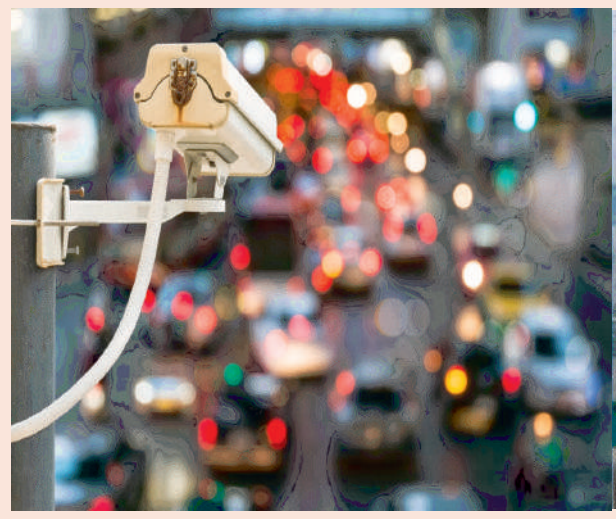

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जुगाड़ वाहनों पर कार्रवाई की तत्काल मांग

परिवहन विशेष न्यूज

सड़कों पर जुगाड़ वाहनों का बढ़ता ख़तरा सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर ख़तरा बन गया है। ये अनधिकृत और अक्सर खराब रखरखाव वाले वाहन यातायात उल्लंघन और दुर्घटनाओं में तेजी से शामिल हो रहे हैं, जिससे सख्त प्रवर्तन उपायों की तत्काल मांग हो रही है।

जुगाड़ वाहन - उचित पंजीकरण या सुरक्षा सुविधाओं का अभाव होता है, सड़कों पर आम दृश्य बन रहे हैं। ये वाहन न केवल अपने ड्राइवरों के लिए बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। उनका अप्रत्याशित प्रदर्शन और संरचनात्मक अस्थिरता उन्हें टूटने और दुर्घटनाओं का शिकार बना देती है, जिससे यातायात में बाधा आती है और जीवन खतरे में पड़ जाता है।

स्थानीय निवासी और सड़क सुरक्षा समर्थक इन अस्थायी वाहनों से जुड़े बढ़ते उल्लंघनों के बारे में चिंता जता रहे हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि उचित लाइसेंस के बिना चलने वाले, सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक भार ले जाने वाले और अक्सर लापरवाही से चलने वाले जुगाड़ वाहनों की संख्या में तेज वृद्धि हुई है। यह बढ़ती प्रवृत्ति अधिकारियों द्वारा तत्काल हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

स्थानीय सड़क सुरक्षा कार्यकर्ता राजीव शर्मा ने कहा, "जुगाड़ वाहन हमारी सड़कों पर एक टाइम बम हैं। उनकी उपस्थिति सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन सुनिश्चित करने के सभी प्रयासों को कमजोर करती है।" "स्थिति नियंत्रण से बाहर होने से पहले हमें इन अनधिकृत वाहनों पर कठोर प्रवर्तन और कार्रवाई की आवश्यकता है।"

ट्रैफ़िक पुलिस ने इस मुद्दे को स्वीकार कर लिया है और समस्या के समाधान के लिए कई उपायों पर विचार कर रही है। इनमें सड़क किनारे जांच बढ़ाना, उल्लंघनों के लिए भारी जुर्माना और अनधिकृत वाहनों को जब्त करना शामिल है। हालाँकि, अकेले प्रवर्तन पर्याप्त नहीं हो सकता है। जुगाड़ वाहनों से उत्पन्न खतरों और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के महत्व के बारे में नागरिकों को शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान भी आवश्यक हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हम सड़कों को सभी के लिए सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जुगाड़ वाहन एक महत्वपूर्ण खतरा हैं, और हम उन्हें अपनी सड़कों से हटाने के लिए अपने प्रयास बढ़ा रहे हैं।" "हम जनता से सहयोग करने और ऐसे किसी भी वाहन का सामना करने पर रिपोर्ट करने का आग्रह करते हैं।"

अधिकारी दीर्घकालिक समाधान भी तलाश रहे हैं, जैसे उन लोगों के लिए किफायती और सुरक्षित विकल्प प्रदान करना जो अपनी आजीविका के लिए जुगाड़ वाहनों पर निर्भर हैं। व्यवहार्य विकल्पों की पेशकश करके, उद्देश्य समुदाय की आर्थिक जरूरतों का समर्थन करते हुए इन खतरनाक अस्थायी वाहनों पर निर्भरता को कम करना है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

नोएडा ट्रैफिक विभाग का उत्कृष्ट कार्य: सड़क सुरक्षा के लिए कठोर कदम

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर भर में कठोर कदम उठाए हैं। आज विभिन्न स्थानों पर चलाए गए अभियानों में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की गई।

फोर्टिस अस्पताल के सामने नो–पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध ट्रैफिक पुलिस ने टोइंग और ई–चालान की कार्यवाही की। यह कदम उन लोगों के लिए चेतावनी है जो अपने वाहनों को नियमों के विरुद्ध खड़ा करते हैं और यातायात को बाधित करते हैं।

ब्लू सफायर के सामने मार्ग पर विपरीत दिशा में चलने वाले और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ भी पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्यवाही की। ट्रैफिक पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि सड़कों पर अनुशासन बना रहे और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इसके अलावा, बिना वैध प्रपत्रों के अनाधिकृत रूप से संचालित हो रहे वाहनों और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ भी ट्रैफिक पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्यवाही की। यह कार्रवाई शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए की गई है।

निठारी गांव मार्ग पर स्थित ARTO कार्यालय के सामने खड़े वाहनों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध भी नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। इस अभियान के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस ने यह संदेश दिया कि यातायात नियमों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नोएडा ट्रैफिक पुलिस के इन प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने शहर में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। यह अभियान न केवल ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा बल्कि नागरिकों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेगा।

सड़क सुरक्षा के इस अभियान में नोएडा ट्रैफिक पुलिस का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह नागरिकों के जीवन को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ अंकुर शरण
Road Safety Omni Foundation
roadsafetysquad@gmail.com

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : फुटपाथ अतिक्रमण मुक्त होना चाहिए और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए एक अपील : डॉ अंकुर शरण

परिवहन विशेष न्यूज

सड़कें यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण हैं लेकिन पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ का उपयोग करना कोई नहीं भूल सकता। सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा हाल ही में किए गए सर्वेक्षण में, अधिकांश फुटपाथों पर या तो अतिक्रमण किया गया है या उनका रखरखाव नहीं किया गया है, जिसके कारण पैदल चलने वालों को सड़क पर चलना पड़ता है, जो अत्यधिक जोखिम भरा है और सड़क सुरक्षा के लिए प्रमुख चिंता का विषय है।

1. दुर्घटनाओं और चोटों का बढ़ता जोखिम

फ़रीदाबाद में फुटपाथों की ख़राब हालत पैदल यात्रियों को वाहनों के साथ सड़क पर चलने के लिए मजबूर करती है। इससे दुर्घटनाओं और चोटों का खतरा काफी बढ़ जाता है, क्योंकि पैदल चलने वालों को कारों, मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों की चपेट में आने का खतरा अधिक होता है।

2. यातायात का प्रवाह धीमा

जब पैदल चलने वालों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर किया जाता है, तो इससे अतिरिक्त यातायात जाम हो सकता है। वाहनों को सड़क पर चल रहे लोगों के आसपास से गुजरना पड़ता है, जिससे यातायात का प्रवाह धीमा हो सकता है और रुकावटें पैदा हो सकती हैं, खासकर पीक आवर्स के दौरान।

3. विकलांगों और बुजुर्ग लोगों के लिए पहुंच में कमी

जिन फुटपाथों पर अतिक्रमण किया गया है या उनका रखरखाव ठीक से नहीं किया गया है, वे विकलांग व्यक्तियों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हैं। असमान सतहें, रुकावटें और स्पष्ट रास्तों की कमी इन समूहों के लिए शहर में नेविगेट करना मुश्किल बना देती है, जिससे उनकी गतिशीलता और स्वतंत्रता सीमित हो जाती है।

4. सार्वजनिक स्थानों का कम उपयोग

फुटपाथों पर फेरीवालों और विक्रेताओं द्वारा अतिक्रमण से पैदल चलने वालों के लिए उपलब्ध सार्वजनिक स्थान कम हो जाता है। यह लोगों को पैदल चलने से हतोत्साहित कर सकता है, जिससे शहर की समग्र पैदल चलने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। परिणामस्वरूप, लोग निजी वाहनों या परिवहन के अन्य रूपों का विकल्प चुन सकते हैं, जो सतत शहरी विकास के सिद्धांतों के विपरीत है।

5. स्वास्थ्य और कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव

चलना एक स्वस्थ गतिविधि है जो शारीरिक फिटनेस और मानसिक कल्याण में योगदान देती है। फुटपाथ की ख़राब स्थितियाँ चलने को हतोत्साहित करती हैं, जिससे अधिक गतिहीन जीवनशैली अपनाई जाती है। यह मोटापा, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान कर सकता है।

6. सौन्दर्यात्मक एवं पर्यावरणीय क्षरण

खराब रखरखाव वाले फुटपाथ शहरी पर्यावरण के समग्र सौंदर्य क्षरण में योगदान करते हैं। इससे शहर की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, संभावित रूप से पर्यटन और स्थानीय गौरव पर असर पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, विक्रेताओं और कचरे से भरे फुटपाथ पर्यावरण प्रदूषण का कारण बन सकते हैं, जिससे निवासियों के जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

7. आर्थिक निहितार्थ

फुटपाथ पर अतिक्रमण और खराब रखरखाव के आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। छोटे व्यवसाय और दुकानें जो पैदल यातायात पर निर्भर हैं, ग्राहक प्रवाह में कमी से पीड़ित हो सकते हैं। इसके अलावा, फुटपाथ की खराब स्थिति के कारण लगी चोटों के लिए चिकित्सा देखभाल की लागत व्यक्तियों और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर बोझ डाल सकती है।

8. कानूनी और दायित्व संबंधी मुद्दे

खराब रखरखाव वाले फुटपाथों के कारण होने वाली चोटों के कारण नगरपालिका अधिकारियों को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सुरक्षित पैदल यात्री मार्ग सुनिश्चित न करने के लिए निवासी स्थानीय सरकार को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, जिससे संभावित मुकदमे और वित्तीय देनदारियाँ हो सकती हैं।

roadsafetysquad@gmail.com

उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में मदद के लिए लाइफस्टाइल में करें ये 5 बदलाव

हाइपरटेंशन, जिसे अक्सर उच्च रक्तचाप के रूप में जाना जाता है, एक खतरनाक स्थिति है जो तब होती है जब हमारी रक्त वाहिकाएं बहुत अधिक दबाव (140/90 mmHg या अधिक) में होती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के रूप में इस स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 17 मई को दुनिया भर के लोग विश्व हाइपरटेंशन मनाते हैं।

उच्च रक्तचाप एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय स्थिति है जो हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे और अन्य संवहनी रोगों के विकसित होने का खतरा बढ़ाती है। यह वैश्विक स्तर पर मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है, जो हर चार पुरुषों में से एक और हर पांच महिलाओं में से एक को प्रभावित करता है, यानी एक अरब से अधिक लोग। आनुवंशिक रुप से भी कई लोगों को इस समस्या से जूझना पड़ता है, हालांकि, जीवनशैली में बदलाव करने से रक्तचाप के स्तर को काफी प्रभावित कर सकते हैं।

जीवनशैली में सरल परिवर्तन, जो उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं-

संतुलित आहार

फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और दुबले प्रोटीन से भरपूर आहार, जैसे DASH आहार, को अपनाने से रक्तचाप को कम करने में मदद मिल सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि DASH आहार का पालन करने से, जो सोडियम को 1500mg/दिन तक सीमित करते हुए फल, सब्जियों और कम फैट्स वाले डेयरी उत्पादों पर जोर देता है, रक्तचाप कम हो जाता है। यह सलाह दी जाती है कि सोडियम से भरपूर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को कम करें और भोजन में केले, पालक और शकरकंद जैसे पोटेशियम से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

स्वस्थ वजन

वजन कम करने से रक्तचाप को कम करने में मदद मिल सकती है। आमतौर पर, कमर की परिधि यानी पेट के मोटापे का उच्च रक्तचाप से गहरा संबंध होता है। महिलाओं के लिए, 32 इंच से अधिक की कमर की माप को उच्च माना जाता है। पुरुषों के लिए, यह भारतीयों में 38 इंच से अधिक है। शरीर का वजन 5% से 10% कम करके व्यक्ति रक्तचाप को काफी कम कर सकता है।

नियमित एक्सरसाइज

एक्सरसाइज, रक्तचाप को कम करने और वजन कम करने में मदद करता है। एरोबिक्स, तेज चलना, तैराकी, साइकिल चलाना या नृत्य जैसे एक्सरसाइज तनाव को कम करने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने में मदद करेंगे। अध्ययन के मुताबुक सप्ताह कम से कम 150 मिनट कठोर वर्कआउट की सलाह देते हैं।

शराब का सेवन

अत्यधिक शराब पीने से रक्तचाप को नियंत्रित करने वाले तंत्र में व्यवधान पैदा करती है और समय के साथ हृदय और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने के लिए शराब का सेवन महिलाओं के लिए प्रति दिन एक पेय से अधिक और पुरुषों के लिए प्रति दिन दो पेय तक सीमित करें।

तनाव

क्रोनिक तनाव शरीर की रलड़ो या भागोर प्रतिक्रिया को सक्रिय करके उच्च रक्तचाप में योगदान कर सकता है, जो उच्च रक्तचाप के स्तर का कारण बनता है। तनाव दूर करने के लिए, अपनी नियमित दिनचर्या में विश्राम अभ्यासों को शामिल करें, जैसे गहरी सांस लेने के एक्सरसाइज, ध्यान या योगा जरुर करें।

इन 5 चीजों को खाते ही शरीर में तेज हो जाएगा ब्लड सर्कुलेशन, आज से ही डाइट में करें शामिल

शरीर में खराब ब्लड सर्कुलेशन के अन्य कई कारण हो सकते हैं। मेडिकल कंडिशंस और लाइफस्टाइल फैक्टर भी ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर में सही ब्लड सर्कुलेशन का होना बेहद जरूरी होता है।

हमारे शरीर में खराब ब्लड सर्कुलेशन कई गंभीर और घातक बीमारियों का कारण बन सकती है। खासतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन हार्ट प्रॉब्लम्स को जन्म दे सकता है। शरीर के सभी अंग अच्छे से काम करें, इसके लिए सही ब्लड सर्कुलेशन का होना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि सही ब्लड फ्लो और सर्कुलेशन से आर्टरीज के माध्यम से सेल्स में न्यूट्रिएंट्स और ऑक्सीजन पहुंचता है। वहीं शरीर में खराब ब्लड सर्कुलेशन के अन्य कई कारण हो सकते हैं। मेडिकल कंडिशंस और लाइफस्टाइल फैक्टर भी ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित करता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर में सही ब्लड सर्कुलेशन का होना बेहद जरूरी होता है। ब्लड सर्कुलेशन के सही न होने पर इसका प्रभाव न सिर्फ दिल बल्कि किडनी और लिवर जैसे अंगों पर भी पड़ता है। ऐसे में इन समस्याओं से बचने के लिए आपको अपनी डाइट में कुछ हेल्दी खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। जो आपके शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को अच्छा बनाने में मदद करते हैं।

अखरोट

अखरोट में भरपूर मात्रा में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड का एक प्रकार है। जो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें अमिगडलिन और विटामिन ई भी पाया जाता है, जो हार्ट की सेहत के लिए लाभकारी होता है।

हल्दी

शरीर में अच्छे ब्लड सर्कुलेशन के लिए हल्दी का सेवन भी काफी फायदेमंद माना जाता है। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाई जाती है, जो ब्लड फ्लो को बेहतर बनाती है। हल्दी में पाया जाने वाला एक कंपाउंड करक्यूमिन से नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ता है। इससे ब्लड वेसल साफ होते हैं और ब्लड फ्लो में सहायता मिलती है।

फैटी फिश

सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि ब्लड सर्कुलेशन के लिए भी फैटी फिश काफी फायदेमंद होती है। अच्छे ब्लड सर्कुलेशन के लिए डाइट में ट्राउट और सल्मोन मछली शामिल करनी चाहिए। क्योंकि इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है।

बेरीज

इसके अलावा बेरीज में एंटीऑक्सीडेंट्स की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। जो ब्लड वसल्स के लिए अच्छा माना जाता है। इसको एंथोसायनिन भी कहा जाता है और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में ब्लड का फ्लो बढ़ता है। साथ ही यह आर्टरीज की वॉल्स की सुरक्षा में भी सहायक होता है।

गाजर

आपको बता दें कि गाजर में बीटा-कैरोटीन पाया जाता है। यह बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में सहायक होता है और शरीर को एनर्जी प्रदान करता है। बीटा कैरोटीन में एंटी ऑक्सीडेंट्स और फाइबर की मात्रा मौजूद होती है, जो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने के साथ कई बीमारियों से भी बचाने में सहायक होती है।

गर्मियों में कच्चा या पक्का आम क्या है आपके स्वास्थ्य के लिए बेहतर विकल्प? जानें इसके पोषक तत्व

गर्मियों के सीजन में आम खाना सभी को पसंद है, क्योंकि आम फलों का राजा है। आमतौर पर आम को लोग कच्ची कैरी और मीठे रसीले स्वाद दोनों ही तरह खाना पसंद करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कच्चे और पक्के दोनों में से कौन सा आम फायदेमंद है? चलिए आपको बताते हैं।

चिलचिलाती गर्मियों में शरीर को अगर कई सारे मीठे और रसीले फल मिल जाए तो मजा ही अलग होता है। गर्मी के मौसम में लीची, तरबूज, खरबूजा और अंगूर जैसे फलों को हर कोई खाना पसंद करता है। लेकिन, इस मौसम में फलों का राजा आम भी खूब खाया जाता है। आम के आते ही कई फलों की छुट्टी हो जाती है। कच्चे आम की कैरी का आचार, चाटनी और आम पन्ना खूब पिया जाता है। पके आम का लोग मिल्क शेक, आम रस और आम पापड़ जैसी चीजों का बनाकर खाना पसंद करते हैं। सबकी जुबान पर कच्चा हो या फिर पक्का आम दोनों ही मन को खूब लुभाते हैं। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि कौन-सा आम आपकी सेहत के लिए सबसे बढ़िया? चलिए हम आपको बताते हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक, कच्चे आम में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है। कच्चा आम एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। दरअसल, गर्मी में कच्चे आम खाने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है, जिससे संक्रमण और गर्मी में होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। स्किन के लिए कच्चा आम बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसमें विटामिन सी, ई और ए होता है। कच्चा आम खाने से स्किन के कोलेजन को बूस्ट करता है। स्किन एजिंग की समस्या कम होती है। गर्मी में कच्चा आम खाने कब्ज और अपच की समस्या नहीं होती है। कच्चा आम फाइबर से भरपूर होता है, ये वजन घटाने में भी मदद करता है।

गर्मियों में पका हुआ आम खाने के फायदे

पके हुए आम में प्रोटीन, डाइट्री फाइबर, कॉपर, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन ए, बी, सी जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। पका हुआ आम खाने से पेट में गैस, अपच, कब्ज, ब्लोटिंग और दस्त जैसी समस्या नहीं होती है। पका हुआ आम खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है, हृदय रोगों के जोखिम को कम करने और आंखों को हेल्दी बनाने में मदद मिलती है। पका हुआ खाने से स्किन और बालों को भी खूबसूरत बनाने में मदद करता है।

कच्चा या पक्का आम क्या है सेहत के लिए सबसे बेहतर?

एक्सपर्ट के मुताबिक, कच्चा और पक्का दोनों आम सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। पके हुए आम की बात करें, तो इसमें नेचुरल शुगर पाया जाता है, जो डायबिटीज के रोगियों के लिए ठीक नहीं है। हालांकि, जब बात कैलोरी की आती है, तो कच्चे आम के मुकाबले में पके आम में ज्यादा कैलोरी होती है जो कि वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है। वैसे तो गर्मियों में कच्चा और पका हुआ आम दोनों ही सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होते है। लेकिन आप अपने स्वाद और सेहत के अनुसार ही आम का चयन करें।

सांवली सूरत पर बहुत अच्छी लगेंगी ये 5 रंग की साड़ियां, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

आज हम आपको 5 ऐसे रंगों की साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो मीडियम और डार्क स्किन टोन की लड़कियों व महिलाओं पर काफी अच्छी लगेंगी। इन साड़ियों को पहनने के बाद हर कोई आपके श्यामल रंग पर दिल हार बैठेगा।

अगर कोई आपको तोता रंग के कपड़े पहनने को दें, तो आपका जवाब क्या होगा। जाहिर है कि आस इस रंग के कपड़े को पहनने से इंकार कर देंगे। क्योंकि जब भी हम कोई कपड़ो खरीदते हैं, तो सबसे पहले अपनी स्किन टोन और फिर कलर शेड देखते हैं। यह फैशन से जुड़ी एक आम बात है। वैसे तो सांवली रंगत पर हर कलर खूब फबता है, लेकिन कुछ कलर ऐसे भी होते हैं, तो आपके शरीर पर और भी अधिक खिलकर दिखते हैं। ऐसे में आपके मन में सवाल होगा कि इन रंगों को कैसे पहचाना जाए।

अगर आपके मन में भी यह सवाल है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसे रंगों की साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो मीडियम और डार्क स्किन टोन की लड़कियों व महिलाओं पर काफी अच्छी लगेंगी। ऐसे में इन साड़ियों को पहनने के बाद हर कोई आपके श्यामल रंग पर दिल हार बैठेगा।

गोल्डन कलर की साड़ी

वैसे तो सांवली लड़कियों पर हर रंग अच्छा लगता है। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सुंदर दिखना चाहती है तो आपको अपने वॉर्डरोब में गोल्डन रंग की साड़ी को जरूर शामिल करना चाहिए। अगर आपका स्किन टोन डार्क या मीडियम है, तो आप एक्ट्रेस सोभिता धुलिपाला की तरह गोल्डन कलर की साड़ी कैरी कर सकती हैं। इसके साथ ही गोल्डन ब्राउन ब्लाउज भी आप पर खूब जचेगा। इस तरह की साड़ी कैरी करने के दौरान ब्राइट कलर की जूलरी नहीं कैरी करनी चाहिए। क्योंकि यह आपका पूरा लुक खराब कर सकती है।

क्रीम कलर की साड़ी

जिन महिलाओं व लड़कियों की रंगत सांवली है, उनपर क्रीम कलर की साड़ी बहुत अच्छी लगेगी। आप अपने वॉर्डरोब में डार्क क्रीम या ऑफ वाइट कलर की साड़ी शामिल कर सकती हैं। इस कलर की साड़ी को ग्रीन या सिल्वर कलर की जूलरी के साथ पेयर किया जा सकता है। इस कलर की साड़ी आप सिल्क, कॉटन या नेट के फैब्रिक में भी ले सकती हैं।

भारत में लॉन्च हुआ iQoo Z9x 5G स्मार्टफोन, जानें इसकी कीमत और स्पेसिफिकेशन

iQOO ने भारत में बजट-अनुकूल iQOO Z9x 5G लॉन्च किया, जिसमें स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 चिपसेट, 120Hz रिफ्रेश रेट के साथ 6.72-इंच एलसीडी डिस्प्ले, 50MP डुअल रियर कैमरा, 44W फास्ट चार्जिंग के साथ 6,000mAh बैटरी और ग्राहकों के लिए विशेष छूट शामिल है।

iQOO ने भारत में अपनी नवीनतम बजट-अनुकूल पेशकश, iQOO Z9x 5G की शुरुआत की, जिसमें स्मार्टफोन उत्साही लोगों का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से कई आकर्षक सुविधाओं का अनावरण किया गया।

इस फोन की कीमत की बात करें, तो iQOO Z9x 5G तीन आकर्षक रंग वेरिएंट में आता है - स्टॉर्म ग्रे और टॉरनेडो ग्रीन, जो विविध शैली प्राथमिकताओं को पूरा करता है। 4GB रैम और 128GB ROM वैरिएंट की कीमत ₹12,999 है, 6GB रैम और 128GB ROM वैरिएंट की कीमत ₹14,999 है। जबकि 8GB रैम के साथ 128GB ROM वाले डिवाइस की कीमत 15,999 रुपये है। 21 मई को रिलीज के लिए निर्धारित, उत्सुक उपभोक्ता अमेज़न और iQOO इंडिया ईस्टोर के माध्यम से डिवाइस खरीद सकते हैं। सौदे को बेहतर बनाने के लिए, ग्राहक विशेष छूट का आनंद ले सकते हैं, जिसमें आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड पर ₹1,000 की तत्काल छूट और चुनिंदा वेरिएंट पर अतिरिक्त ₹600 की छूट शामिल है। अपने मजबूत फीचर्स और सुलभ कीमत के साथ, iQOO Z9x 5G हलचल भरे भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरा है, जो प्रतिस्पर्धा को सीधे चुनौती देने के लिए तैयार है।

iQoo Z9x 5G स्मार्टफोन का स्पेसिफिकेशन

अपने हुड के नीचे स्नैपड्रैगन 6 जेन 1 चिपसेट का दावा करते हुए, डिवाइस तेज प्रदर्शन और मल्टीटास्किंग का वादा करता है। स्पॉटलाइट इसके विशाल 6.72-इंच एलसीडी डिस्प्ले पर चमकती है, जो 120Hz रिफ्रेश रेट और जीवंत दृश्यों के साथ एक सहज अनुभव प्रदान करती है, जो 1000 निट्स तक की प्रभावशाली चरम चमक से पूरित होती है। इसके आकर्षण को बढ़ाते हुए, iQOO Z9x 5G पानी और धूल प्रतिरोध के लिए IP64 रेटिंग के साथ आता है, जो विभिन्न वातावरणों में स्थायित्व सुनिश्चित करता है। 8 जीबी रैम से लैस, उपयोगकर्ता सहज प्रतिक्रिया की उम्मीद कर सकते हैं, चाहे गेमिंग, स्ट्रीमिंग, या उत्पादकता कार्यों से निपटना हो। यह चिकना हैंडसेट पर्याप्त स्टोरेज विकल्प भी प्रदान करता है, जिसमें 4GB से 8GB रैम तक के वेरिएंट के साथ 128GB की इंटरनल स्टोरेज है, जिसे बाहरी माइक्रोएसडी कार्ड के माध्यम से 1TB तक बढ़ाया जा सकता है।

iQoo Z9x 5G स्मार्टफोन का कैमरा

फोटोग्राफी विभाग में, iQOO Z9x 5G अपने डुअल रियर कैमरा सेटअप से प्रभावित करता है, जिसमें 50MP का प्राइमरी सेंसर है, जो तेज और विस्तृत कैप्चर सुनिश्चित करता है। अतिरिक्त बहुमुखी प्रतिभा के लिए 2MP का डेप्थ सेंसर इसे पूरक करता है। सामने की ओर, 8MP का सेल्फी कैमरा आकर्षक सेल्फ-पोर्ट्रेट का वादा करता है।

iQoo Z9x 5G स्मार्टफोन की बैटरी

डिवाइस की मजबूत 6,000mAh की बैटरी है, जो व्यापक उपयोग को सहन करने में सक्षम है, और न्यूनतम डाउनटाइम के लिए 44W फास्ट चार्जिंग का समर्थन करती है। तेज और सुरक्षित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर के साथ सुविधा को और बढ़ाया गया है। कनेक्टिविटी विकल्प प्रचुर मात्रा में हैं, चार्जिंग के लिए यूएसबी टाइप-सी पोर्ट, ऑडियो उत्साही लोगों के लिए 3.5 मिमी हेडफोन जैक और इमर्सिव साउंड अनुभव के लिए स्टीरियो स्पीकर।

जियो के ग्राहक हैं तो ऐसे उठाएं फ्री डाटा का मजा

कई बार जियो अपने यूजर्स के लिए फ्री प्लांस भी लेकर आता है जिसमें एक्स्ट्रा डाटा ऑफर किया जाता है, तो वहीं पर कुछ टाइम पीरियड भी एक्स्ट्रा मिलता है। आज हम यहां बात करेंगे कि रिलायंस जियो के वह कौन-कौन से प्लांस है जिनमें आपको एक्स्ट्रा डाटा या फ्री डाटा मिलेगा।

रिलायंस JIO को ऐसे ही टेलीकॉम इंडस्ट्री का बादशाह नहीं कहा जाता है, जियो समय-समय पर अपने ग्राहकों को सरप्राइज करने के लिए तमाम तरीके के रिचार्ज प्लांस लेकर आते रहता है, ताकि उसके ग्राहक को बेनिफिट्स मिल सके और उनके यूजर्स की संख्या दिनों दिन बढ़ती जाए।

इतना ही नहीं कई बार जियो अपने यूजर्स के लिए फ्री प्लांस भी लेकर आता है जिसमें एक्स्ट्रा डाटा ऑफर किया जाता है, तो वहीं पर कुछ टाइम पीरियड भी एक्स्ट्रा मिलता है। आज हम यहां बात करेंगे कि रिलायंस जियो के वह कौन-कौन से प्लांस है जिनमें आपको एक्स्ट्रा डाटा या फ्री डाटा मिलेगा।

यह बात यहां यह बताना जरूरी है कि हम जियो रिलायंस के डाटा प्लान की बात करने जा रहे हैं, वह सारे ही 5G डाटा ऑफर हैं और यह सारे प्लान 399 रुपए से अधिक है, क्योंकि रिलायंस जियो के सभी 339 से अधिक कीमत वाले प्लांस के साथ 5G डाटा फ्री है। आईए जानते हैं

398 रुपए प्लान

अगर आप जियो का 398 का प्लान रिचार्ज करते हैं तो इसमें आपको डेली 2GB डाटा फ्री मिलता है और इसके साथ ही 6GB का एक्स्ट्रा डाटा भी आपको फ्री में जियो दे रहा है। इसके अलावा आप डेली 100 एसएमएस इस ऑफर में कर सकते हैं। OTT इस पर आपको मिलेगी और इसके अलावा अनलिमिटेड कॉल्स तो आपको मिलने ही वाले हैं। इस प्लान की वैध्यता की बात करें तो 28 दिनों के लिए यह प्लान मान्य है।

749 रुपए प्लान

अगर आप रुपए का 749 वाला प्लान रिचार्ज करते हैं तो आपके यहां पर 2GB का डाटा रोज मिलने वाला है तो वहीं आपको इस प्लान के साथ ही एक्स्ट्रा 20 GB का डाटा आपको मिलेगा और साथ ही आप 100 एसएमएस रोज फ्री में कर सकते हैं। अनलिमिटेड कॉल्स तो इसके साथ है ही, तो यह प्लान 90 दिनों के लिए मान्य है।

1198 रूपये प्लान

बता दें कि रुपए के जियो के इस 1198 रुपए वाले प्लान में आपको डेली 2GB डाटा मिलेगा। इसके अलावा एक्स्ट्रा 18 GB डाटा भी आपको मिलने वाला है। वहीं अगर आप OTT के शौकीन हैं तो इस पर आपको OTT भी देखने को मिलने वाला है और 100 एसएमएस भी फ्री में कर सकते हैं और अनलिमिटेड कॉल्स इस ऑफर के तहत कर सकते हैं यह प्लान 84 दिनों के लिए मान्य है।

4498 रूपये वाला प्लान

इस प्लान के तहत आपको जियो रोज 2GB डाटा दे रहा है और एक्स्ट्रा 78 GB डाटा आपको इस प्लान के साथ मिलने वाला है। वहीं इस प्लान में भी आपको OTT का लाभ मिलेगा, तमाम OTT चैनल आपको इस प्लान में मिलेंगे और अनलिमिटेड कॉल्स के साथ-साथ आप इसमें 100 एसएमएस रोज भेज सकते हैं। बता दें कि यह प्लान 365 दिनों यानी की 1 साल के लिए मान्य है।

ऊपर दिए गए जो भी प्लान में हम OTT की बात कर रहे हैं, तो बता दें कि इन प्लान्स में जो भी OTT की बात की गई उनमें आपको सोनी लिव, 5G, जियो सिनेमा प्रीमियम ,डिज्नी+ हॉटस्टार, सोनी लिव, चौपाल ,एपिकऑन, सननेक्सट, होइचोई, जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म शामिल है।

इसके अलावा अगर 1198 रुपए वाला प्लान की बात करें तो आपको लगेगा कि इसमें भी ओटीटी प्लेटफॉर्म में तो बता दे कि इसमें कुछ महंगे ओटीटी प्लेटफॉर्म को शामिल किया गया जिसमें आपको प्राइम वीडियो का आनंद देखने को मिलेगा तो वही disney+ हॉटस्टार और सोनीलिव जैसे चैनल को इस प्लान के साथ शामिल किया गया है।

'स्वाति मालीवाल के पीछे बड़ी साजिश, 13 मई को बीजेपी ने उन्हें सीएम ऑफिस भेजा', मंत्री आतिशी ने बताया पूरा घटनाक्रम

आतिशी का आरोप है कि स्वाति मालीवाल बिना किसी अप्वाइंटमेंट के सीएम आवास पहुंची थी। लेकिन आज जो वीडियो सामने आया है जिसमें वह ड्राइंग रूम में आराम से बैठी हैं। वह सुरक्षाकर्मियों को डरा-धमका रही हैं। वह बिभव कुमार को अपशब्द बोल रही है। उन्हें कोई चोट नहीं दिख रही। बिभव ने दिल्ली पुलिस को अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने 13 मई की घटना की जानकारी दी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ बदसलूकी की घटना को लेकर शुक्रवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़े आरोप लगाए हैं।

'भाजपा का चेहरा बनीं स्वाति'

आतिशी ने दावा किया कि जबसे सीएम केजरीवाल जेल से बाहर आए हैं, तब से बीजेपी उन पर किसी न किसी मामले में झूठे आरोप लगाना चाह रही थी। इसके लिए उन्होंने स्वाति मालीवाल का चेहरा इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने ही 13 मई को उन्हें सीएम ऑफिस भेजा था, जबकि सीएम केजरीवाल उस दिन अपने आवास पर ही नहीं थे।

आतिशी ने बताया कि स्वाति मालीवाल उस दिन बिना किसी अप्वाइंटमेंट के सीएम आवास पहुंची थी। लेकिन आज जो वीडियो सामने आया है, जिसमें वह ड्राइंग रूम में आराम से बैठी हैं। वह सुरक्षाकर्मियों को डरा-धमका रही हैं।

वह बिभव कुमार को अपशब्द बोल रही हैं। उनपर कोई चोट नहीं दिख रही है। उनके आरोप बिल्कुल गलत हैं। बिभव कुमार ने आज ही दिल्ली पुलिस को अपनी शिकायत दी है। इसमें उन्होंने 13 मई की घटना की जानकारी दी।

उन्होंने गार्ड को धमकाया, बिभव से बदतमीजी की: आतिशी

आतिशी ने कहा कि स्वाति मालीवाल जी का उस दिन कोई अप्वाइंटमेंट नहीं था। उन्होंने पुलिस से झगड़ा कर उनकी नौकरी लेने तक की धमकी दी। इसके बाद वह धक्का देते हुए वह वेटिंग रूम में चली गईं। कुछ देर बैठने के बाद वह मेन बिल्डिंग में घुसकर सोफे पर बैठ गईं। उन्होंने धमकाया कि सीएम को अभी बुलाओ, मुझे अभी बात करनी है।

बिभव कुमार को स्वाति ने धक्का दिया: आतिशी

उन्होंने कहा कि क्या स्वाति जी को पता नहीं था कि उनसे मिलने के लिए अप्वांटमेंट की जरूरत होती है? बिभव कुमार जी को फोन कर बुलाया गया। उन्होंने बताया कि आज सीएम केजरीवाल जी उपलब्ध नहीं हैं। वह मिल नहीं पाएंगे। इसके बाद उसने अंदर के कमरे में जाने की कोशिश की।

बिभव कुमार उनके सामने खड़े हो गए। इसके बाद वह ऊंची आवाज में बहस करने लगी। स्वाति जी ने उन्हें धक्का दिया। बिभव कुमार जी ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। फिर उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को बुलाया और उन्हें बाहर करने को कहा।

इन सब घटनाओं के पीछे बीजेपी की साजिश: स्वाति

उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल जी बीजेपी के इशारे पर काम कर रही थी। यही कारण है कि वह जबरदस्ती सीएम से मिलने की कोशिश की। इसलिए वह सुबह-सुबह सीएम ऑफिस पहुंची हैं। तीन बाद वह एफआईआर कराईं। वीडियो से साफ पता चलता है कि न तो उनके सिर पर चोट है और न ही उनके साथ जबरदस्ती की गई है। ऐसे में बीजेपी की साजिश का पता चलता है।

ओखला मेट्रो स्टेशन के पास के होटल में लगी आग, दमकल की सात गाड़ियों ने पाया काबू

आग लगने के कुछ देर तक होटल कर्मचारियों ने पहले तो खुद काबू पाने का प्रयास किया लेकिन जब आग ने भयानक रूप धारण कर लिया तो दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई। एक के बाद एक सात गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही थी। आग पूरे होटल में फैल चुकी थी।

दक्षिणी दिल्ली। ओखला एनएसआईसी मेट्रो स्टेशन स्थित दा ग्रैंड्रीम्स होटल में शुक्रवार शाम पांच बजे के करीब एसी में शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयानक रूप धारण कर लिया और यह आग पूरे होटल में फैल गई।

कुछ देर तक होटल कर्मचारियों ने पहले तो खुद आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन जब आग ने भयानक रूप धारण कर लिया तो दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। एक के बाद एक सात गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही थी। आग पूरे होटल में फैल चुकी थी। वहीं, कर्मचारी होटल से सभी सामान बाहर निकाल रहे थे और सिलेंडरों को भी बाहर निकाला जा रहा था

होटल के अंदर तीन सिलेंडर फटे

बताया जा रहा है कि होटल के अंदर तीन से चार सिलेंडर फट गए है। वहीं होटल में रह रहे पांच व्यक्तियों को रेस्क्यू करने के बाद बाहर निकाला गया और इसमें से दो व्यक्ति चोट लगने के कारण घायल हो गए। दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे।

दिल्ली शराब घोटाला केस में आया ट्विस्ट, ईडी ने केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को भी बनाया आरोपी

दिल्ली एक्साइज पालिसी स्कैम केस में नया ट्विस्ट आ गया है। ईडी ने आज सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी है कि उन्होंने नई चार्जशीट फाइल की है जिसमें अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली एक्साइज पालिसी स्कैम केस प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया और उनकी आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर आरोप पत्र में आरोपितों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आरोप लगाने की मांग की गई है।

21 मार्च को किया था केजरीवाल को गिरफ्तार

बता दें कि जांच एजेंसी ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को 21 मार्च को उनके आवास से गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर हैं।

इलाज के दौरान महिला की मौत, स्वजन ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए किया जमकर हंगामा

परिवहन विशेष न्यूज

मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल में शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान हुई एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद स्वजन ने अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि महिला को हुई सामान्य डिलीवरी के बाद मरीज और उनके स्वजन के बिना अनुमति के ही डॉक्टर ने महिला को कॉपर टी लगा दी। जिसके बाद अधिक खून बहने लगा। बाद में उनकी मौत हो गई।

नई दिल्ली। मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल में शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान हुई एक महिला की मौत के बाद स्वजन ने अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया। स्वजन का आरोप है कि महिला को हुई सामान्य डिलीवरी के बाद मरीज और उनके स्वजन के बिना अनुमति के ही डॉक्टर ने महिला को कॉपर टी लगा दी। जिसके बाद अधिक खून बहने से महिला को आईसीयू में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने सर्जरी कर बच्चेदानी निकाल दी।

आरोप है कि जिसके दो दिन बाद इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। स्वजन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर संजय गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। स्वजन अब मेडिकल बोर्ड गठित कर, बोर्ड की निगरानी में पोस्टमार्टम कराने की मांग कर रहे हैं। इस मामले को अस्पताल प्रशासन से कई बार पक्ष जानने की कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

कॉपर टी लगाने के बाद बहने लगा खून

34 वर्षीय शबनम अपने पति नई और तीन बच्चों के साथ एफ-7 ब्लॉक सुल्तानपुरी में रहती थीं। पति नईम ने बताया कि बीते 14 मई की रात करीब तीन बजे प्रसव दर्द होने के बाद पत्नी को संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां 14 मई की सुबह शबनम ने एक बच्ची को जन्म दिया। नईम का आरोप है कि उनकी पत्नी और उनकी अनुमति के बिना ही डॉक्टर ने पत्नी को कॉपर टी लगा दी। जिसके कुछ समय बाद ही काफी खून बहने लगा।

विभव ने मेरे पेट में लातें मारी, मुंह पर थप्पड और घूंसे मारे, कपडे खींचे, बोला देख लेगें, निपटा देंगे-स्वाति

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष व आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने घटना के तीन दिन की चुप्पी के बाद उनके आवास पर पहुंची दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम के आगे आखिर चुप्पी तोड़ी और वह फूटपडी। उन्होने मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनके पीए विभव कुमार ने गत 13 मई की सुबह 9 बजे की तमाम घटी घटना की जानकारी सिलसिलेवार पुलिस टीम को ढाई पेज की अपनी कंपलेंट को मालीवाल आखिर सौंप दी। अपनी कंपलेंट में स्वाति ने लिखा है कि वह सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने सीएम आवास पर गई थी। वहां उनके पीए विभव कुमार ने सीएम के बीजी होने की बात कह कर बाहर इंतजार करने को कहा। काफी इंतजार के बाद बुलावा नहीं आया तो अंदर बैठक में जाकर बैठ गई। इसी पर विभव कुमार ने मेरे साथ बदसलूकी की। विरोध करने पर वह मेरे मुंह पर लगातार थप्पड मारने लगा। नीचे गिराकर उसने पीरियड के बावजूद मेरे पेट के नीचे लातें मारी। मैने जैसे तैसे उसे अपने पैरों से पीछे धकेला।तो मुझे गंदी-गंदी गालियां देने लगा। मेरे कपडे तक खींचे। उसने यहां तक धमकी भरे लहजे में कहा देख लेगे। निपटा देंगें। मालीवाल ने आगे कहा कि अपने को बचाने के लिए पीसीआर 112 नंबर डायल कर आप बीती को बताया और मैं रोते हुए आवास से बाहर की ओर दौडी। बाहर आकर मैने सिविल लाइन थाने जाने के लिए ऑटो लिया और थाने में मौखिक रूप से जानकारी दी।दिल्ली पुलिस ने स्वाति के बयानों और लिखित कंपलेंट के आधार पर आरोपी विभव कुमार के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल धारा-506 (आपराधिक धमकी धारा-509 (अपमान करने के इरादे से अपशब्द कहना, इशारा या कृत्य करना, धारा-323 हमला करना,समेत अन्य धाराओ के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। इसके बाद गुरूवार देर रात एम्स में स्वाति मालीवाल का मेडिकल कराया गया। सूत्रों के मुताबिक फुल बॉडी मेडिकल चेकअप के तहत सीटी स्कैन, एक्सरे, किया गया है।रिपोर्ट में चेहरे और पेट में अंदरूनी गहरी चोट की जानकारी मिली है। इस बीच विभव कुमार को पकडने के लिए दिल्ली पुलिस की कई टीमें बनाई गई है। जानकारी के मुताबिक विभव कुमार सीएम अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह के साथ ही यूपी, पंजाब समेत महाराष्ट्र के दौरे पर है। जहां अरविंद केजरीवाल के रोड शो और रैलियों है। बहरहाल राष्ट्रीय महिला आयोग ने विभव कुमार को को आयोग के सामने पेश होने का नोटिस भी जारी कर दिया है।

लोकसभा चुनावों के बीच आप का बड़ा फैसला, पटेल नगर और लक्ष्मी नगर इकाई को किया भंग

राजकुमार आनंद पहले ही बसपा में जा चुके हैं लेकिन इसके बाद अब नितिन त्यागी बगावती तेवर दिखा रहे हैं। स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास पर हुई मारपीट की घटना के बाद से तो दोनों ही आप सरकार व उसके नेताओं पर महिला विरोधी होने का आरोप भी लगा रहे हैं। राजकुमार आनंद ने प्रेसवार्ता कर स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट की घटना की निंदा की।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने लोकसभा चुनाव के बीच बड़ा फैसला किया है। पार्टी ने पटेल नगर और लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में अपनी इकाई को भंग कर दिया है। पार्टी का यह फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है, लेकिन यहां यह भी गौर करने की बात है कि आप छोड़कर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में गए पूर्व समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद व लक्ष्मी नगर से आप के विधायक रहे नितिन त्यागी पिछले कुछ दिनों से आप के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। ये दोनों नेता प्रेसवार्ता और इंटरनेट मीडिया पर पार्टी की नीतियों और घोषणाओं की निंदा करते दिखाई दे रहे हैं।

राजकुमार आनंद पहले ही बसपा में जा चुके हैं, लेकिन इसके बाद अब नितिन त्यागी बगावती तेवर दिखा रहे हैं। स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास पर हुई मारपीट की घटना के बाद से तो दोनों ही आप सरकार व उसके नेताओं पर महिला विरोधी होने का आरोप भी लगा रहे हैं। जहां एक ओर बुधवार को राजकुमार आनंद ने प्रेसवार्ता कर स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट की घटना की निंदा की तो नितिन त्यागी ने भी स्वाति को प्रताड़ित किए जाने पर रोष व्यक्त किया।

बसपा ने आवास के बाहर प्रदर्शन की दी धमकी

आनंद ने कहा कि अगर आप 24 घंटे के भीतर मालीवाल के आरोपों पर कार्रवाई करने में विफल रहती तो बसपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन करेंगे। जबकि नितिन त्यागी ने कहा था कि महिलाओं को 1000 रुपए देने के नाम पर लोगों से जो फार्म भरवाए जा रहे हैं, वो झूठा प्रचार है और वे इसका हिस्सा नहीं बनेंगे।

स्वाति मालीवाल के साथ 13 मई को क्या हुआ था? दिल्ली पुलिस ने सीएम आवास पर किया सीन रीक्रिएट

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ 13 मई की घटना को लेकर सीएम आवास पर सीन रीक्रिएट किया। इससे पहले स्वाति मालीवाल की शिकायत पर बृहस्पतिवार देर रात मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार दोपहर उनका तीस हजारी कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 164 के तहत बयान दर्ज करा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक उन्होंने बयान दर्ज कराया।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ 13 मई की घटना को लेकर सीएम आवास पर सीन रीक्रिएट किया। पुलिस उन्हें अपने साथ सिविल लाइंस स्थिति सीएम आवास ले गई और हर घटना को लेकर उसी सीन को दोहराया। इससे पहले पुलिस फोरेंसिक की टीम के साथ मौके पर पहुंची थी।

सीएम आवास पर उनसे यह जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की गई कि घटना के समय वह सीएम के आवास में कहां तक गई थीं? विभव उन्हें कहां मिले थे? किन-किन लोगों से उनकी मुलाकात और संवाद हुआ? मारपीट किस जगह पर हुई? बचाव के लिए उन्होंने किसी से गुहार लगाई थी अथवा नहीं?

सीसीटीवी फुटेज की हुई जांच

करीब 45 मिनट तक उनसे सवाल जवाब किए गए। इसके बाद मालीवाल पुलिस सुरक्षा के बीच वहां से वापस लौट गई। पुलिस टीम शाम से देर रात तक सीएम आवास में रहकर सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों, सुरक्षा इंचार्ज व अन्य के बयान दर्ज करती रही। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच करती रही। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि किसी कैमरे को वहां से हटा तो नहीं दिया गया?

तीस हजारी में दर्ज कराया बयान

इससे पहले, स्वाति मालीवाल की शिकायत पर बृहस्पतिवार देर रात मुकदमा दर्ज करने के बाद दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार दोपहर उनका तीस हजारी कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 164 के तहत बयान दर्ज करा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक हुए बयान में मालीवाल ने एफआइआर के तथ्यों को मजिस्ट्रेट के सामने भी दोहराया। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने मालीवाल के साथ घटित घटना को सच मानते हुए जांच तेज कर दी है।

स्वाति ने बीजेपी के इशारे पर सीएम ऑफिस पहुंची: आतिशी

बता दें, इससे पहले, आतिशी ने आरोप लगाया कि कि स्वाति मालीवाल बिना किसी अप्वाइंटमेंट के सीएम आवास पहुंची थी। लेकिन आज जो वीडियो सामने आया है जिसमें वह ड्राइंग रूम में आराम से बैठी हैं। वह सुरक्षाकर्मियों को डरा-धमका रही हैं। वह बिभव कुमार को अपशब्द बोल रही है। उन्हें कोई चोट नहीं दिख रही। बिभव ने दिल्ली पुलिस को अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने 13 मई की घटना की जानकारी दी।

बुढ़ापे के लिए जिम्मेदार प्रोटीन का पता लगाएगा एम्स, इस शोध में आप भी हो सकते हैं शामिल; जानें कैसे

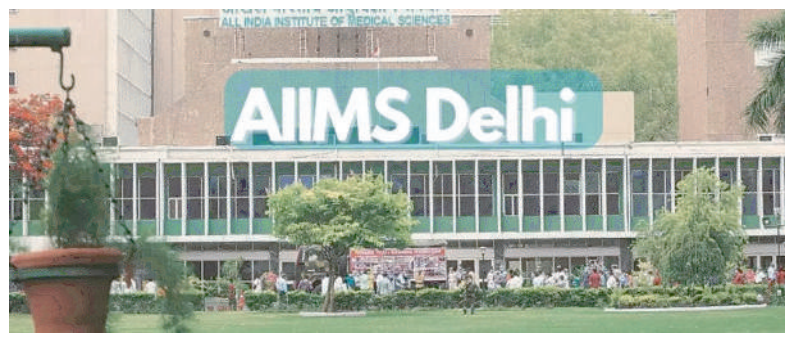

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र की डॉ. राशि जैन ने बताया कि यह अध्ययन 200 परिवारों को चार वर्गों में बांट कर होगा। हर वर्ष में 40 परिवार के लोग शामिल होंगे। इसमें 10-19 वर्ष के बच्चे किशोर व नवयुवक 40-59 वर्ष के उम्र के लोग 60-79 वर्ष के बुजुर्ग व 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग शामिल होंगे।
इन सबका ब्लड जांच खानपान शारीरिक सक्रियता और ज्ञान संबंधित परीक्षण होगा।

नई दिल्ली। बुढ़ापे के लिए जिम्मेदार प्रोटीन का पता लगाने के लिए एम्स एक शोध शुरू किया है। एम्स के राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र में 200 परिवारों पर यह शोध होगा। एम्स के डॉक्टर बताते हैं कि इस शोध का मकसद बढ़ापे के लिए जिम्मेदार प्रोटीन या जीन का पता लगाकर इलाज का विकल्प ढूंढना है ताकि अधिक उम्र तक लोग स्वस्थ रह सकें।

राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र की डॉ. राशि जैन ने बताया कि यह अध्ययन 200 परिवारों को चार वर्गों में बांट कर होगा। हर वर्ष में 40 परिवार के लोग शामिल होंगे। इसमें 10-19 वर्ष के बच्चे, किशोर व नवयुवक, 40-59 वर्ष के उम्र के लोग, 60-79 वर्ष के बुजुर्ग व 80 वर्ष से अधिक के बुजुर्ग शामिल होंगे। इन सबका ब्लड जांच, खानपान, शारीरिक सक्रियता व याददाश्त-ज्ञान संबंधित परीक्षण किया जाएगा।

यह शोध तीन वर्ष में होगा पूरा

इस दौरान यह देखा जाएगा कि शरीर में किस प्रोटीन या जीन में बदलाव के कारण व्यक्ति बुढ़ापे की तरफ अग्रसर होता है। इसलिए बचपन और युवा अवस्था से ही शरीर के प्रोटीन या जीन में होने वाले बदलाव का पता लगाया जाएगा। यह शोध तीन वर्ष में पूरा होगा। शोध में यह भी देखा जाएगा कि जिन परिवारों में बुजुर्ग अधिक उम्र तक सेहतमंद रहते हैं, उन परिवारों में खानपान किस तरह का है।

इन नंबर्स पर संपर्क कर शोध में हो सकते हैं शामिल

एम्स प्रशासन का कहना है कि इस अध्ययन में शामिल होने के इच्छुक लोग मोबाइल नंबर 9599556056 व 9654936598 पर फोन कर संपर्क कर सकते हैं या ईमेल (longevityproject.aiims@gmail.com) के जरिये भी संपर्क कर सकते हैं।

मोदीनगर में नामचीन कंपनियों की चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और बिस्कुट की एक्सपायर खेप पकड़ी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीरा सिंह ने बताया कि नामचीन कंपनियों का एक्सपायर्ड सामान बाजार में बेचे जाने की जानकारी मिल रही थी। एफएसओ मीरा सिंह ने गुरुवार देर शाम गोविंदपुरी छोटी मार्केट में सचदेवा ट्रेडर्स के गोदाम और दुकान का निरीक्षण किया।

परिवहन विशेष न्यूज

गाज़ियाबाद। मोदीनगर की गोविंदपुरी छोटी मार्केट स्थित एक कारोबारी के यहां निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नामचीन कंपनियों के एक्सपायर सामान की खेप पकड़ी। एक्सपायर स्टॉक के बारे में कारोबारी कोई संतोष जनक जानकारी नहीं दे सका। एफएसओ ने एक्सपायर्ड खेप को प्रतिबंधित कर कारोबारी को नोटिस जारी किया है। मोदीनगर में बीस दिन में दूसरी बार एक्सपायर्ड सामान पकड़ा गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीरा सिंह ने बताया कि नामचीन कंपनियों का एक्सपायर्ड सामान बाजार में बेचे जाने की जानकारी मिल रही थी। एफएसओ मीरा सिंह ने गुरुवार देर शाम गोविंदपुरी छोटी मार्केट में सचदेवा ट्रेडर्स के गोदाम और दुकान का निरीक्षण किया। दोनों स्थानों पर नामचीन कंपनियों की चॉकलेट, बिस्कुट, हेल्थ प्रोडक्ट और कोल्ड ड्रिंक की एक्सपायर्ड खेप मिली। चार साल पहले एक्सपायर हो चुका सामान भी बरामद हुआ। आशंका जताई गई एक्सपायर सामान बाजार में बेचा जा रहा था।

मीरा सिंह ने बताया कि कारोबारी हिमांशु सचदेवा ने एक्सपायर्ड सामान के बारे में कोई संतोषजनक जबाव नहीं दिया। एफएसओ के अनुसार करीब दो लाख रूपये कीमत की कोल्ड ड्रिंक और लगभग डेढ़ लाख रूपये से अधिक कीमत के बिस्कुट, चॉकलेट व अन्य सामान गोदाम और दुकान पर रखा हुआ था। मीरा सिंह ने बताया कि बीती 27 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए बाजार में बिक्री के लिए जा रही एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक की खेप पकड़ी थी। मिलावटखोरी और एक्सपायर्ड सामान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नोएडा में जल्द ही चलेंगी 400 इलेक्ट्रिक बसें, जानें क्या है सरकार का मोबिलिटी प्लान

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वे गौतमबुद्ध नगर में अंतिम छोर तक संपर्क सुधारने के लिए कम से कम 400 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद करें।

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन प्राधिकरणों - नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा, Yeida) को निर्देश दिया कि वे गौतमबुद्ध नगर में अंतिम छोर तक संपर्क सुधारने के लिए कम से कम 400 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद करें।

अधिकारियों ने बताया कि टेंडर संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अगले तीन महीनों में सेवा शुरू हो जाएगी।

यह फैसला उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई बैठक के दौरान लिया गया। वे राज्य के औद्योगिक और अवसंरचना विकास आयुक्त भी हैं।

बैठक के दौरान, अधिकारियों ने बताया कि तीन शहरी क्षेत्रों के लिए व्यापक गतिशीलता योजना (मोबिलिटी प्लान) पर चर्चा हुई, जिनमें सिटी बस सेवा नहीं है। जिससे यात्रियों को असुविधा होती है।

इस मोबिलिटी प्लान में आगामी जेवर नोएडा हवाई अड्डे के लिए सिटी बस कनेक्टिविटी भी शामिल है।

सिंह ने कहा, "हमने ... तीन औद्योगिक निकायों के साथ विचार-विमर्श किया और यह निर्णय लिया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के भीतर यात्रा करने वाले यात्रियों को विश्वसनीय सेवा प्रदान करने वाली सिटी बस सेवा चलाने की जरूरत है। हमने तीनों प्राधिकरणों को सभी औपचारिकताएं पूरी करने का निर्देश दिया है।"

अधिकारियों ने बताया कि सिटी बस मार्ग में वाणिज्यिक, सरकारी कार्यालय, आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, नोएडा हवाई अड्डा, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, सेक्टर 62 में इलेक्ट्रॉनिक सिटी और दिल्ली की सीमाओं सहित सभी प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे।

नोएडा प्राधिकरण ने 2022 में तीन शहरों के लिए गतिशीलता योजना तैयार करने के लिए एक सलाहकार को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की थी। यह कदम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5 मई, 2022 को नोएडा प्राधिकरण को एक क्षेत्रीय भौगोलिक आर्थिक योजना तैयार करने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया था, जो वित्त, शहरी गतिशीलता और बुनियादी ढांचे सहित अन्य पहलुओं से संबंधित कमियों का समाधान करेगा।

लेकिन अधिकारियों ने कहा कि उस सलाहकार को अभी तक नियुक्त नहीं किया गया है। क्योंकि इस परियोजना से जुड़ी औपचारिकताएं पहले पूरी नहीं हो सकीं। उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकार और तीनों प्राधिकरण सिटी बस सेवा चलाकर स्थानीय आवागमन संबंधी समस्याओं का समाधान करना चाहते हैं।

43 डिग्री तापमान में बिजली-पानी किल्लत

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। एक तरफ 43 डिग्री सेल्सियस की गर्मी की मार है तो दूसरी तरफ पानी की किल्लत और बिजली की कटौती से गुरुग्रामवासी लाचार हैं। निर्बाध बिजली आपूर्ति का दावा करने वाला बिजली निगम बिजली की मांग पूरी नहीं कर पा रहा है। कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण फॉल्ट और लोड शेडिंग हो रही है।

सेक्टर 21 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रकाश लांबा ने जीएमडीए को पत्र भेजकर कहा है कि पहले सेक्टर में 125-127 के दबाव पर पानी आ रहा था अब 100 के दबाव से आ रहा है। सेक्टर के लोग बहुत परेशान है। इस ओर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सेक्टर के लोगों से भी अल्प मात्रा में पानी खर्च करने और बचत करने की अपील की है।

सेक्टर चार के निवासियों ने शिकायत की है कि सेक्टर के राम मंदिर के पास वाली टंकी से जिन इलाकों में जलापूर्ति होती है, वहां काफी कम पानी आ रहा है। पानी का प्रेशर बहुत कम है। नगर निगम के इंजीनियर संजीव कुमार ने कहा कि इसकी जांच करा रहे हैं। पानी की आपूर्ति ठीक हो जाएगी।

सबमर्सिबल के गड्ढे में जा रही गंदगी

सेक्टर 45 के आरडब्ल्यूए महासचिव पुनीत पाहवा ने नगर निगम से सेक्टर में सबमर्सिबल मोटर पंप के पास के गड्ढे पर शेड डालने की मांग की है। सबमर्सिबल की पिट के साथ शेड नहीं होने के कारण इसमें गंदगी जा रही है। इससे पंप जाम होकर बंद हो सकता है, ऐसे में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बिजली कटौती से लोग परेशान

बिजली कटौती के साथ फॉल्ट की परेशानी लोग झेल रहे हैं। गुरुग्राम के सर्किल वन में 14 मई को 13 मई की तुलना में 11 प्रतिशत ज्यादा बिजली की आपूर्ति हुई। जबकि सर्किल टू में .72 प्रतिशत कम बिजली की आपूर्ति हुई। मंगलवार को गुरुग्राम में कुल 399.78 लाख यूनिट बिजली की आपूर्ति हुई। सर्किल वन में 14 मई को 165.49 लाख यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई। पिछले साल इसी दिन 102.87 लाख यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई थी। सर्किल टू में 14 मई को 234.29 लाख यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई। पिछले साल सर्किल टू में 184.33 यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई थी। बावजूद इसके प्रायः इलाकों में तीन से चार घंटे बिजली कटौती की शिकायतें लोगों ने की है।

भवन निर्माण में पानी की बर्बादी पर निगम करेगा चालानी कार्रवाई

गुरुग्राम। गर्मी के मौसम में मिलेनियम सिटी के बाशिंदे पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ भवन निर्माण में पीने के पानी का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। इसकी रोकथाम के लिए नगर निगम ने कदम नहीं उठाए। अब इसकी रोकथाम के लिए जीएमडीए ने नगर निगम के कार्यकारी अभियंताओं को अपने इलाके में निगरानी के लिए पत्र लिखा है। साथ ही निर्माण के लिए पानी का इस्तेमाल करने पर कनेक्शन काटने और जुर्माने की कार्रवाई करने को कहा है।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के बसई और चंदू बुढेड़ा स्थित जल शोधन संयंत्रों से अधिकतम 600 एमएलडी पानी की सप्लाई हो सकती है। शहर में पानी की मांग करीब 675 एमएलडी है। आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर को नगर निगम द्वारा अपने 600 बोरवैल के जरिये पूरा किया जाता है। गर्मी के मौसम में पारा चढ़ने के साथ ही पानी की मांग और बढ़ जाती है। बीते कई दिनों से जीएमडीए के पास सेक्टर-4, 14, 21, 22, 23, 46, डीएलएफ फेस-2, 3, पुराना गुरुग्राम समेत अन्य इलाकों से पेयजल की किल्लत संबंधी शिकायतें आ रही थीं।

जीएमडीए ने सर्वे कराया तो भवन निर्माण में बड़े पैमाने पर पीने के पानी के प्रयोग की बात सामने आई। जीएमडीए की तरफ से निर्माण में पीने के पानी के इस्तेमाल पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को लेकर नगर निगम के नौ कार्यकारी अभियंताओं को पत्र लिखा गया है। जिसमें पीने के पानी की बर्बादी करने पर व्यक्तियों और संस्थानों पर एचएससी अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के तहत चालान की कार्रवाई करने को भी कहा है।

एसटीपी से लें पानी

निर्माण संबंधी कार्यों के लिए नगर निगम की तरफ से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए है। यहां से भवन निर्माण के लिए पानी लिया जा सकता है। इसके अलावा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के सोर्स से पानी प्राप्त किया जा सकता है। वहीं, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भी निर्माण कार्यों में सीवर शोधन संयंत्र से शोधित पानी का इस्तेमाल करने के आदेश जारी किए हुए हैं।

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है।

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेजी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने ख़ुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षों में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है। लोकतंत्र में मतदाताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव के अवसर पर राजनीतिक दलों की परख करें। झूठों एवं दुष्टों की एकजुटता ही जगत में कष्टों की वजह है एवं लोकतंत्र को कमजोर करने का बड़ा कारण है। जब तक ईमानदार एकजुट नहीं होंगे, तब तक जगत की कोई समस्या हल नहीं होगी। और ईमानदारों का एकजुट न होना दुष्टों एवं झूठों का असली बल है। कभी-कभी ऊंचा उठने, सत्ता पाने और भौतिक उपलब्धियों की महत्वाकांक्षा राष्ट्र को यह सोचने-समझने का मौका ही नहीं देती कि कुछ पाने के लिए उसने कितना खो दिया? और जब यह सोचने का मौका मिलता है तब पता चलता है कि वक्त बहुत आगे निकल गया और तब राष्ट्र अनिर्णय के ऊहापोह में दिग्भ्रमित हो जाता है। इस चुनाव को इस विम्बना से बचाना है।

यूट्यूबर ने होंडा सिविक को बना डाला लेम्बोर्गिनी, देसी जुगाड़ से करोड़ों की हो गई लाखों वाली गाड़ी

यूट्यूबर ने होंडा सिविक को Lamborghini Terzo Millennio कॉन्सेप्ट कार में मॉडिफाई करने का पूरा प्रोसेस वीडियो में बताया है। अब इस वीडियो के कुछ क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में सिविक से लेकर एक शानदार लैंबो जैसी दिखने वाली कार के मॉडिफिकेशन की पूरी प्रोसेस को दिखाया गया है। इसमें बाइक का एग्जॉस्ट लगाया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारत में जुगाड़ु लोगों की कोई कमी नहीं है। अक्सर ऐसे इनोवेशन सामने आते रहते हैं जिनको बहुत कम संसाधनों के साथ तैयार किया जाता है। अब एक ऐसा ही दिमाग घुमा देना वाला काम किया है Tanna Dhaval नाम के यूट्यूबर ने। इसने Honda Civic को फ्यूचरिस्टिक Lamborghini Terzo Millennio कॉन्सेप्ट कार में बदल दिया है।

जिसका वीडियो अब हर तरफ वायरल हो रहा है। ऐसा करने के लिए इस यूट्यूबर ने 12.5 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसके द्वारा बनाई गई गाड़ी देखने में एकदम असली लग रही है।

होंडा सिविक को बनाया Lamborghini Terzo Millennio

यूट्यूबर ने होंडा सिविक को Lamborghini Terzo Millennio कॉन्सेप्ट कार में मॉडिफाई करने का पूरा प्रोसेस वीडियो में बताया है। अब इस वीडियो के कुछ क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में स्टॉक सिविक से लेकर एक शानदार लैंबो जैसी दिखने वाली कार के मॉडिफिकेशन की पूरी प्रोसेस को दिखाया गया है। सिविक से लैंबो में तब्दील करने के लिए इसमें बाइक और दूसरी गाड़ियों के हिस्सों का भी इस्तेमाल किया गया है।

बाइक का लगा है एग्जॉस्ट

वीडियो में साफ दिखता है कि Dhaval की टीम सिविक के कुछ पार्ट्स लेकर आती है जैसे कि कैबिन और इंजन। इसके बाद ये टेरजो मिलेनियो जैसा दिखने के लिए तैयार की गई फाइबरग्लास बॉडी से उसे ठक देते हैं। इसे तैयार करने में इन्होंने दूसरी गाड़ियों के कुछ हिस्सों का भी उपयोग किया है। यहां तक कि उन्होंने बेनेली 600i मोटरसाइकिल के एग्जॉस्ट सिस्टम का भी इस्तेमाल किया है।

हुंडई सैंट्रो का फ्यूल टैंक

इसमें हुंडई सैंट्रो का फ्यूल टैंक और मारुति सुजुकी ऑल्टो का सस्पेंशन सिस्टम शामिल है। गाड़ी का रेप्लिका असल लेम्बोर्गिनी कॉन्सेप्ट के बराबर स्पीड और अन्य चीजों की बराबरी तो नहीं कर सकता है। लेकिन कई मामलों में यह हुबहु Lamborghini Terzo Millennio कॉन्सेप्ट की तरह दिखती है। जो भी हो वीडियो ने साफ कर दिया है कि भारत में जुगाड़ू लोगों की कोई कमी नहीं है।

महिंद्रा के पास 2.2 लाख गाड़ियों का बैकलॉग, प्रोडक्शन बढ़ने के बाद भी नहीं घटा वेटिंग पीरियड; स्कार्पियो की हाई डिमांड

UV सेगमेंट में अग्रणी Mahindra के लंबित ऑर्डर में स्कॉर्पियो और स्कॉर्पियो एन के लिए लगभग 86000 यूनिट और थार के लिए लगभग 59000 यूनिट शामिल हैं। पिछले कुछ महीनों में महिंद्रा ने ऑर्डर बैकलॉग को कम करने के लिए उत्पादन में तेजी लाई है। इससे ये आंकड़ा फरवरी 2024 में 2.26 लाख यूनिट से घटकर 1 मई तक 1.70 लाख यूनिट हो गया।

नई दिल्ली। महिंद्रा ने हाल ही में Q4 के रिजल्ट पेश किए हैं। इस तिमाही ऑटोमोटिव और फार्म सेक्टर सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन की वजह से कंपनी का प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स (PAT) 4 फीसदी बढ़ गया है। मार्च तिमाही में महिंद्रा का PAT 2,754 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही कंपनी ने खुलासा किया कि उसके पास 2.20 लाख से ज्यादा लंबित ऑर्डर पूरे होने का इंतजार कर रहे हैं।

Scorpio पर सबसे ज्यादा वेटिंग पीरियड

UV सेगमेंट में अग्रणी Mahindra के लंबित ऑर्डर में स्कॉर्पियो और स्कॉर्पियो एन के लिए लगभग 86000 यूनिट और थार के लिए लगभग 59000 यूनिट शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक 1 मई, 2024 तक XUV700 की 16000 से ज्यादा बुकिंग ओपन थीं, जबकि बोलेरो रेंज की 10000 बुकिंग ओपन थीं।

कंपनी का तीसरा सबसे लोकप्रिय मॉडल जिसके ऑर्डर लंबित हैं, वह हाल ही में लॉन्च की गई XUV 3XO है। इसे 15 मई, 2024 को ऑर्डर बुक खुलने के एक घंटे के भीतर 50,000 बुकिंग मिल प्राप्त हुईं थी।

प्रोडक्शन में आई तेजी

पिछले कुछ महीनों में महिंद्रा ने ऑर्डर बैकलॉग को कम करने के लिए उत्पादन में तेजी लाई है। इससे ये आंकड़ा फरवरी 2024 में 2.26 लाख यूनिट से घटकर 1 मई तक 1.70 लाख यूनिट हो गया।

महिंद्रा ने बताया है कि उसे हर महीने लगभग 48,000 बुकिंग मिलती हैं, जबकि बिलिंग लगभग 42,000 यूनिट प्रति महीने होती है। ऑटोमेकर ने यह भी बताया कि वह हर महीने थार की लगभग 7000 यूनिट और उसके बाद XUV700 की लगभग 8000 यूनिट बेचती है। हर महीने बोलेरो लाइनअप की लगभग 9500 यूनिट्स बिकती हैं, जबकि इसकी सबसे ज्यादा बिकने वाली स्कॉर्पियो रेंज 17000 यूनिट्स प्रति महीने है।

कावासाकी निंजा ZX-4RR की पहली झलक आई सामने, इन खूबियों के साथ इंडियन मार्केट में मारेगी एंट्री

Kawasaki Ninja ZX-4RR का कर्ब वेट 189 किलोग्राम है जो इसे अविश्वसनीय पावर-टू-वेट रेशियो देता है। सस्पेंशन ड्यूटी के लिए इसे प्रीलोड एडजस्टेबिलिटी के साथ 37 mm USD शोवा SFF-BP फ्रंट फोर्क्स दिए गए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट से यह भी संकेत मिलता है कि Ninza ZX-4RR सीमित संख्या में आएगी और ये संभवतः पूरी तरह से निर्मित यूनिट (CBU) होगी।

नई दिल्ली। India Kawasaki Motor ने सोशल मीडिया पर अपनी अल्ट्रा-परफॉरमेंस पॉकेट रॉकेट स्पोर्टबाइक Ninza ZX-4RR का टीजर जारी किया है। अपडेटेड मॉडल में 4-सिलेंडर इंजन है, जो सड़क और ट्रैक पर बेहतरीन प्रदर्शन का वादा करती है।

Kawasaki Ninza ZX-4RR में क्या खास?

सोशल मीडिया पोस्ट से यह भी संकेत मिलता है कि Ninza ZX-4RR सीमित संख्या में आएगी और ये संभवतः पूरी तरह से निर्मित यूनिट (CBU) होगी। इसे भारत में बिक्री के लिए हाल ही में लॉन्च की गई कावासाकी निंजा ZX-4R से ऊपर रखा जाएगा। उम्मीद है कि इसे इंडियन मार्केट में 9 से 10 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत के बीच लॉन्च किया जाएगा।

डिजाइन और डायमेंशन

बाइक का कर्ब वेट 189 किलोग्राम है, जो इसे अविश्वसनीय पावर-टू-वेट रेशियो देता है। सस्पेंशन ड्यूटी के लिए इसे प्रीलोड एडजस्टेबिलिटी के साथ 37 mm USD शोवा SFF-BP फ्रंट फोर्क्स दिए गए हैं। इसके रियर में प्रीलोड-एडजेस्टेबल शोवा BFRC लाइट मोनोशॉक मिलेगा।

ब्रेकिंग परफॉर्मेंस

ब्रेकिंग परफॉर्मेंस फ्रंट में 290 mm डुअल सेमी-फ्लोटिंग डिस्क और रियर में सिंगल 220 mm डिस्क से आएगी। Ninza ZX-4RR की अन्य विशेषताओं में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ 4.3-इंच TFT स्क्रीन, 4 राइडिंग मोड और ऑल एलईडी लाइटिंग फीचर्स शामिल है।

इंजन और परफॉरमेंस

Kawasaki Ninza ZX-4RR में 399 cc लिक्विड-कूल्ड, इन-लाइन 4-सिलेंडर इंजन होगा जो 14,500 rpm पर 76 bhp और 13,000 rpm पर 37.6 Nm का पीक टॉर्क देता है। ये इंजन 15,000 rpm से ज्यादा की गति पकड़ता है, जो इसे और भी ज्यादा तेज बनाता है और रैम एयर इनटेक के साथ आता है। पावरट्रेन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है और इसमें बाय-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर है।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक कार प्रोडक्शन को लेकर मेगा प्लानिंग! 12 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी कंपनी

Mahindra Mahindra ने गुरुवार को कहा कि वह अपनी इलेक्ट्रिक वाहन यूनिट में 120 बिलियन रुपये (1.44 बिलियन डॉलर) का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि वह अपने ईवी कार व्यवसाय से जुड़ी कुछ परिसंपत्तियों को इलेक्ट्रिक यूनिट महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल को 7.96 बिलियन रुपये में बेचेगी। महिंद्रा का कार पोर्टफोलियो लगभग पूरी तरह से स्कॉर्पियो और थार जैसी एसयूवी है।

नई दिल्ली। भारतीय वाहन निर्माता कंपनी Mahindra & Mahindra ने गुरुवार को कहा कि वह अपनी इलेक्ट्रिक वाहन यूनिट में 120 बिलियन रुपये (1.44 बिलियन डॉलर) का निवेश करेगी, क्योंकि कंपनी ने अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (SUV) की स्थिर बिक्री पर चौथी तिमाही के मुनाफे के अनुमान को पार कर लिया है।

Mahindra का फ्यूचर प्लान

कंपनी ने कहा कि वह अपने ईवी कार व्यवसाय से जुड़ी कुछ परिसंपत्तियों को इलेक्ट्रिक यूनिट, महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल को 7.96 बिलियन रुपये में बेचेगी। महिंद्रा वर्तमान में एक ईवी मॉडल - एक्सयूवी400 पेश करती है और कहा कि वह अगले साल तक ईवी की अपनी नई रेंज लॉन्च करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने जनवरी में रॉयटर्स को बताया था कि ईवी सहायक कंपनी को सूचीबद्ध करने की महिंद्रा की योजनाओं के लिए इकाई की सफलता भी जरूरी है।

Scorpio और Thar जैसी एसयूवी का जलवा

महिंद्रा का कार पोर्टफोलियो लगभग पूरी तरह से स्कॉर्पियो और थार जैसी एसयूवी है। कंपनी ने एक साल पहले की तुलना में 31 मार्च तक तीन महीनों में 27.2 प्रतिशत अधिक एसयूवी बेचीं। उद्योग निकाय के अनुसार, भारत में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में आधे से अधिक हिस्सा यूटिलिटी वाहनों (यूवी) का है, जो साल-दर-साल 31 प्रतिशत बढ़ रहा है, जबकि पिछले दो वित्तीय वर्षों में पीवी की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

कंपनी ने कहा कि कर के बाद स्टैंडअलो प्रॉफिट 31.6 प्रतिशत बढ़कर 20.38 बिलियन रुपये ($244.06 मिलियन) हो गया था, जो एलएसईजी डेटा के अनुसार विश्लेषकों के 19.61 बिलियन रुपये के अनुमान से अधिक है। कंपनी का ऑटोमोटिव व्यवसाय कुल राजस्व का लगभग दो-तिहाई लाता है, जो 11.2 प्रतिशत बढ़कर 251.09 बिलियन रुपये हो गया, जो विश्लेषकों के 240.25 बिलियन रुपये के औसत अनुमान से अधिक है।

सुजुकी जिम्नी 5-डोर का हेरिटेज एडिशन हुआ पेश, केवल इतने ग्राहक ही खरीद पाएंगे ये स्पेशल मॉडल

नई दिल्ली। Suzuki ने ऑस्ट्रेलिया में jimny का नया Heritage Edition लॉन्च किया है और सुजुकी इसकी सिर्फ 500 यूनिट बेचेगी। इसकी खास बात यह है कि ये अब 5-डोर वर्जन पर आधारित है जो भारतीय बाजार में भी बिक्री के लिए उपलब्ध है।

चुनिंदा ग्राहकों को ही मिलेगा ये एडिशन

ऑस्ट्रेलिया में 5-डोर जिम्नी को जिम्नी XL कहा जाता है। यह पहली बार नहीं है जब सुजुकी ने जिम्नी का हेरिटेज एडिशन लॉन्च किया है। इससे 2023 में भी निर्माता ने 3-डोर जिम्नी के लिए हेरिटेज एडिशन पेश किया था और ये सिर्फ 300 यूनिट तक सीमित था और ये सिर्फ दो दिनों में ही बिक गया था।

इसमें क्या खास?

सुजुकी ने जिम्नी हेरिटेज एडिशन में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए हैं। ये साइड और रियर पर नए डिकल्स के साथ आता है और आगे और पीछे दोनों तरफ रेड कलर के मडफ्लैप्स हैं। इसके अलावा, 4x4 SUV एक खास कार्गो ट्रे के साथ भी आएगी। सुजुकी जिम्नी हेरिटेज एडिशन को-व्हाइट, शिफॉन आइवरी + ब्लूइश ब्लैक पर्ल, जंगल ग्रीन, ब्लूइश ब्लैक पर्ल और ग्रेनाइट ग्रे मेटैलिक कलर स्कीम में पेश करेगी।

इंजन और परफॉरमेंस

इस SUV में 1.2-लीटर K-सीरीज पेट्रोल इंजन है, जो 99 bhp की अधिकतम पावर और 130 Nm का पीक टॉर्क आउटपुट देता है।

TVS अपाचे RTR 160 औरअपाचे RTR 160 4V के ब्लैक एडिशन लॉन्च, जानिए कीमत और खासियत

परिवहन विशेष न्यूज

TVS अपाचे RTR 160 ब्लैक एडिशन की कीमत 1.20 लाख रुपये है जबकि TVS अपाचे RTR 160 4V ब्लैक एडिशन की कीमत 1.25 लाख रुपये है। आपको बता दें कि ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम दिल्ली हैं। TVS का कहना है कि नया ब्लैक एक्सटीरियर अपाचे 160 सीरीज की दोनों बाइक्स में निडर भावना को दर्शाता है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपाचे RTR 160 और अपाचे RTR 160 4V के नए ब्लैक एडिशन लॉन्च किए हैं। दोनों मोटरसाइकिलों में ऑल-ब्लैक पेंट स्कीम है और इसमें कोई कॉस्मेटिक और फीचर अपडेट नहीं किया गया है।

Black Edition में क्या अलग?

ये मॉडल एक्सटीरियर पार्ट्स पर न्यूनतम ग्राफिक्स और इसके टैंक पर उभरे हुए ब्लैक TVS लोगो के साथ खुद को अलग करते हैं। इसके अलावा बाइक्स में ब्लैक-आउट एग्जॉस्ट भी है। अपाचे RTR 160 2V का ब्लैक एडिशन बेस वेरिएंट पर आधारित है, जिसमें रियर डिस्क और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स नहीं हैं।

कीमत और खासियत

नए TVS अपाचे RTR 160 ब्लैक एडिशन की कीमत 1.20 लाख रुपये है, जबकि TVS अपाचे RTR 160 4V ब्लैक एडिशन की कीमत 1.25 लाख रुपये है। आपको बता दें कि ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम, दिल्ली हैं। TVS का कहना है कि नया ब्लैक एक्सटीरियर अपाचे 160 सीरीज की दोनों बाइक्स में निडर भावना को दर्शाता है।

TVS अपाचे RTR 160 4V ब्लैक एडिशन भी बेस वेरिएंट पर आधारित है और इसमें रियर डिस्क नहीं है। हालांकि, इसमें अभी भी तीन राइडिंग मोड, एक एलईडी हेडलैंप और टेललाइट, ग्लाइड थ्रू टेक्नोलॉजी (GTT), वॉयस असिस्ट के साथ स्मार्टएक्सोनेक्ट, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और बहुत कुछ सहित कई अच्छे फीचर्स हैं।

इंजन और परफॉरमेंस

TVS अपाचे RTR 160 में 159.7 cc सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, टू-वॉल्व इंजन है। ये पावरट्रेन 15.8 bhp की शक्ति और 13.85 Nm का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। वहीं, अपाचे RTR 160 4V में 159.7 cc, ऑयल-कूल्ड, फोर-वॉल्व इंजन है, जो 17.31 bhp और 14.73 Nm के लिए ट्यून किया गया है। दोनों इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

मारुति, होंडा और स्कोडा इस साल लॉन्च करेंगी 3 नई सेडान, जानें डिटेल्स

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रही एसयूवी की लोकप्रियता के बीच सेडान की मांग कम हुई है। हालांकि, इस कैलेंडर वर्ष की दूसरी छमाही में मारुति सुजुकी, होंडा और स्कोडा जैसी कार निर्माताओं की ओर से तीन नई सेडान पेश किए जाने की उम्मीद है। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

New-Gen Honda Amaze

तीसरी पीढ़ी की Honda Amaze इस साल के अंत में त्यौहारी सीजन के आसपास पेश की जा सकती है। इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर डिजाइन दोनों में महत्वपूर्ण अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद है।

आगामी कॉम्पैक्ट सेडान नई डिजायर, टाटा टिगोर और हुंडई ऑरा को टक्कर देना जारी रखेगी और यह मौजूदा पेट्रोल मिल के साथ मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ जारी रह सकती है। मौजूदा मॉडल की तुलना में केबिन अधिक एडवांस और फीचर लोडेड होने वाला है।

New-Gen Maruti Suzuki Dzire

ऑल न्यू मारुति सुजुकी स्विफ्ट को कुछ दिन पहले भारत में लॉन्च किया गया था। इस बीच, इसके सेडान समकक्ष डिजायर को 2024 की दूसरी छमाही में आंतरिक और बाहरी दोनों तरह से महत्वपूर्ण अपडेट प्राप्त होने की उम्मीद है।

विशेष रूप से यह सनरूफ का दावा करने वाली भारत की पहली कॉम्पैक्ट सेडान होगी, और इसके इंटीरियर में महत्वपूर्ण अपडेट होंगे। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

New-Gen Skoda Octavia

हाल ही में सुपर्ब को फिर से पेश करने के बाद, स्कोडा भारतीय बाजार में वैश्विक ऑक्टेविया की नवीनतम पीढ़ी को पेश करने की संभावना तलाश रही है। हालांकि आधिकारिक विवरण अभी तक उपलब्ध नहीं है, लेकिन ऐसी संभावना है कि इसे 2024 के अंत या 2025 में आगमन पर शुरू में कंप्लीटली बिल्ट-अप (CBU) मार्ग के माध्यम से बेचा जा सकता है।

केजरीवाल को जमानत का निर्णय व न्याय की परीक्षा

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सरकार उनकी हत्या करने की कोशिश कर रही है। लेकिन उन्हें कचहरी से राहत नहीं मिली। उनके दो और साथी इसी शराब घोटाला मामले में साल भर से भी ज्यादा समय से जेल में हैं। लाख अर्जियां लगाने के बावजूद उन्हें जमानत नहीं मिली। केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जांच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बड़ी कचहरी में यही अर्जी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई संबंध नहीं है।

जमानत चाहे पक्की हो, चाहे अंतरिम, उसके लिए मानक भी अलग-अलग ही मान लिए गए हैं। चुनाव लडने व उसमें प्रचार करने वालों के लिए अलग मानक और वोट डालने वालों के लिए अलग मानक। कल को कोई भी विचाराधीन कैदी कह सकता है, हुजूर पांच साल बाद चुनाव का पर्व आया है, इजाजत मिले तो अपने गांव में जाकर वोट ही डाल आऊं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में जेल में थे। वे इधर-उधर सभी प्रकार के न्यायालयों में जेल से बाहर निकलने के लिए प्रयास कर रहे थे। जब जेल में दिल का दौरा पडने से मुख्तार अंसारी की मौत हुई और उसके रिश्तेदारों ने कहना शुरू कर दिया कि जेल में उन्हें जहर दिया गया था, तो केजरीवाल ने भी कहना शुरू कर दिया था कि उन्हें भी जेल में जहर ही दिया जा रहा है। सरकार उनकी हत्या करने की कोशिश कर रही है। लेकिन उन्हें कचहरी से राहत नहीं मिली। उनके दो और साथी इसी शराब घोटाला मामले में साल भर से भी ज्यादा समय से जेल में हैं। लाख अर्जियां लगाने के बावजूद उन्हें जमानत नहीं मिली। केजरीवाल की इस मामले में संलिप्तता को लेकर अभी प्रवर्तन निदेशालय जांच कर ही रहा था कि केजरीवाल ने देश की सबसे बड़ी कचहरी में यही अर्जी लगा दी कि उनका तो शराब घोटाले वाले मामले से कोई संबंध नहीं है। उनको बिना किसी कारण से पकड़ लिया गया है। इसलिए उनके खिलाफ की जा रही जांच को बंद करके उन्हें रिहा कर दिया जाए। बाकी उनके वकील इस मामले में ज्यादा तर्क यह भी दे रहे थे कि चुनाव का मौसम है और केजरीवाल दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री भी हैं, इसलिए और नहीं तो उनके मुवक्किल को चुनाव में प्रचार करने के लिए ही छोड़ दिया जाए। सबसे बड़ी कचहरी को उनके वकीलों का यह तर्क मजेदार लगा। इसलिए कचहरी ने स्वयं ही सुझाव दिया कि इसके लिए अंतरिम जमानत के लिए अर्जी लगाओ तो देखते हैं। अब अर्जी लगाने में भला कितनी देर लगती। तब अर्जी पर बहस शुरू हुई।

दोनों ओर से वकील कचहरी में डट गए। केजरीवाल के वकीलों का तो तर्क वही था कि 'लोगों के चुने हुए मुख्यमंत्री' जेल में हैं और चुनाव का मौसम है। केजरीवाल जेल से बाहर न निकाले गए तो देश में लोकतंत्र और संविधान दोनों खतरे में पड़ जाएंगे। यहां तक कहा गया कि केजरीवाल को तो पकड़ा ही इसलिए गया है ताकि वे प्रचार न कर सकें। बाकी शराब घोटाला तो बहाना है। इतना ही नहीं, प्रवर्तन निदेशालय की हिमाकत तो देखें कि केजरीवाल को तब पकड़ा गया जब देश में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो चुकी थी। वैसे यह तर्क सुन कर देश का आम आदमी तो सिर पीट रहा था। अभी तक तो यही माना जा सकता था कि चुनाव संहिता के दिनों में सरकार कोई ऐसा काम नहीं कर सकती, जिससे मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। लेकिन अब यह भी कहा जा रहा था कि चुनाव संहिता के दिनों में किसी तथाकथित अपराधी को भी गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। बस एक ही रट थी कि देश में लोकतंत्र की प्राण प्रतिष्ठा केजरीवाल के बाहर आने से ही हो सकती है। सरकारी वकील यह सब सुन-सुन कर दांतों तले उंगलियां चबा रहे होंगे। सरकारी वकील का कहना था कि केस सुनते समय और न्याय करते समय तथाकथित अपराधियों में भेदभाव नहीं करना चाहिए। इस प्रकार तो जेल में बंद हर विचाराधीन व्यक्ति को कोई न कोई काम लगा ही रहेगा।

उदाहरण के लिए किसान कहेगा, हजूर फसल बोने का समय आ गया है। महीना भर में चला जाएगा। इसलिए दस दिन के लिए जमानत दे दें, गेहूं बीज कर वापस आ जाऊंगा। जितना जरूरी चुनाव में प्रचार करना है, शायद उससे भी ज्यादा जरूरी खेत में गेहूं बोना है। वैसे भी राजनीतिज्ञों के तो मजे लग जाएंगे। चुनाव तो पांच साल चला ही रहता है। जैसे केजरीवाल साल भर से ईडी को कह ही रहे थे, अपने समन सम्भाल कर रखो, मुझे पांच राज्यों के चुनाव में प्रचार करना है। चुनाव निकल गया तो ईडी ने फिर समन भेजने शुरू कर दिए तो केजरीवाल ने फिर झिडक़ दिया कि आपको शराब घोटाले की पड़ी है, इधर राज्यसभा के चुनाव सिर पर मंडरा रहे हैं। ईडी फिर हाथ मलती रही। ईडी ने कहा भी कि भाई, आपको अपराधी कौन कह रहा है, आप आकर जांच में शामिल हो जाएं, ताकि पता तो चले कि शराब घोटाले का मामला कैसे हुआ। लेकिन केजरीवाल तो पैरों पर पानी नहीं पडने दे रहे थे। कभी कहने लगे सवाल लिख कर भेज दो, फिर देख लेंगे। कभी कहने लगे वर्चुअल पूछ लो। ईडी परेशान कि यदि हर व्यक्ति ईडी को ही बताने लगे कि जांच कैसे करनी है, तब तो किसी केस की जांच हो ही नहीं सकती। केजरीवाल की इसी ड्रामेबाजी के चलते लोकसभा के चुनाव आ गए। तब ईडी को लगा कि कोई न कोई चुनाव तो होते रहेंगे और केजरीवाल उसी की आड़ लेकर जांच का सामना करने से बचते रहेंगे। पानी सिर के ऊपर तक ही आ गया था। तब ईडी ने केजरीवाल को एक और समन भेजा और इस बार उसने और रास्ता निकाला कि इस बात का इंतजार न किया जाए कि वे जांच में शामिल होने के लिए आते हैं या नहीं। इसलिए उनके घर जाकर ही पूछताछ कर ली जाए। जब ईडी के अधिकारी उनके घर पूछताछ करने पहुंचे तो उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ईडी अधिकारियों को घर के अंदर जाने से रोकने की कोशिश भी की। लेकिन अंततः पिछले कई महीनों के संघर्ष के बाद केजरीवाल ईडी के सामने थे। कहा जाता है उन्होंने ज्यादा प्रश्नों में 'उत्तर याद नहीं' वाला सूत्र ही प्रयोग किया।

'टैलीफोन कहां है' के सवाल भी 'पता नहीं कहां रख दिए' वाले सूत्र से टाल दिए गए। जाहिर है ऐसी स्थिति में ईडी के पास उन्हें गिरफ्तार करने के सिवा कोई चारा नहीं था। वे 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिए गए। तब एक से दूसरी अदालत में अर्जियां चलीं। लेकिन मामला गम्भीर था, इसलिए जेल से बाहर का रास्ता नहीं मिल रहा था। तब अन्त में यह तर्क चला कर देख लिया गया कि हजूर मैं कोई साधारण कैदी नहीं हूं। मैं तो राजनीतिज्ञ हूं। मुझे तो चुनाव प्रचार बगैरह भी करना है। लोकतन्त्र का यह पर्व तो पांच साल बाद ही आता है। इसलिए मुझे रिहा कर दिया जाए। लोगों ने कहा भी, भैया आजकल यह पर्व निरन्तरता में चला ही रहता है। पांच साल वाली कथा तब की है जब लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुआ करते थे। अब यह मेरा सदाबहार हो गया है। देश के किसी न किसी हिस्से में चला ही रहता है। लगता है कचहरी को भी पांच साल वाला यह तर्क ठीक लगा। इसलिए वहां भी यही कहा जाने लगा, यह शराब घोटाले का मामला तो अगस्त 2022 से चल रहा है। अब केजरीवाल को गिरफ्तार भी तो इतने समय बाद मार्च 2024 में किया गया था। चार दिन बाद पकड़ लेते तो वह कहीं भागे थोड़ा जा रहा था।

वैसे भी वे कोई आदतन अपराधी तो हैं नहीं। इसलिए कुछ दिन बाहर रह जाने से कोई पहाड़ तो नहीं टूट पड़ेगा। हम उन्हें कोई पक्की जमानत तो दे नहीं रहे। दो जून को उन्हें खुद चल कर वापस तिहाड़ जेल जाना ही है। खैर हुजूर की बात को कौन टाल सकता है। लेकिन जैसा ईडी के वकील ने कहा कि इससे विचाराधीन कैदियों के दो वर्ग मान लिए गए हैं। पहला वर्ग राजनीतिज्ञ कैदियों का और दूसरा सामान्य कैदियों का। जमानत चाहे पक्की हो, चाहे अंतरिम, उसके लिए मानक भी अलग-अलग ही मान लिए गए हैं। चुनाव लडने व उसमें प्रचार करने वालों के लिए अलग मानक और वोट डालने वालों के लिए अलग मानक। कल को कोई भी विचाराधीन कैदी कह सकता है, हुजूर पांच साल बाद चुनाव का पर्व आया है, इजाजत मिले तो अपने गांव में जाकर वोट ही डाल आऊं? जैसा भारत में स्थिति बनती जा रही है, राजनीतिज्ञ कैदियों की संख्या बढ़ती जा रही है। वैसे भी राजनीतिज्ञ बनने के लिए कोई परीक्षा तो पास नहीं करनी पड़ती। देश की सबसे बड़ी कचहरी का यह सबसे बड़ा फैसला है जिसकी पिछले सत्तर साल से अब तक कोई नजीर नहीं है।

संपादक की कलम से

जीत और दस किलो अनाज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लिख कर दे रहे हैं कि 4 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी इस पद पर नहीं रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े का दावा है कि भाजपा 200 सीटें भी जीत नहीं पाएगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस हद तक बयान दे रहे हैं कि भाजपा 140 सीटों को भी तरस जाएगी। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आकलन है कि भाजपा 195 सीटों तक सिमट जाएगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पहले ही अपना गणित बता चुके हैं कि भाजपा 220-230 सीटें ही जीत सकती है। विपक्ष के ऐसे दावों की हुंकार भरी जा रही है और वह लगातार देश को आश्वस्त करने में जुटा है कि उसने एक आंतरिक सर्वे कराया है, जिसके मुताबिक 'इंडिया' गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीत रहा है, लिहाजा अगली सरकार 'इंडिया' की ही बनेगी। खडग़े ने लखनऊ प्रेस वार्ता के दौरान यह वायदा भी किया कि यदि 'इंडिया' की सरकार बनी, तो 80 करोड़ से अधिक उन गरीबों को 10 किलोग्राम अनाज प्रति माह मुफ्त दिया जाएगा, जिन्हें अभी 5 किलो मुफ्त अनाज मिल रहा है।

सरकारी खजाने पर 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ पहले से ही है, लिहाजा 10 किलो अनाज बांटने पर वह दोगुनी हो जाएगी। दिलचस्प है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह नया जुमला उछाला है, जबकि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने रायबरेली की जनसभाओं में इस योजना पर सवाल उठाते हुए जनता से पूछा है कि आपको रोजगार चाहिए या 5 किलो मुफ्त अनाज'? राहुल गांधी समेत कांग्रेस के बड़े नेता भी इस योजना पर सवाल उठाते रहे हैं कि क्या 80 करोड़ से अधिक भारतीय इतने गरीब हैं कि यदि उन्हें मुफ्त अनाज न मिले, तो वे भूखों मर सकते हैं? इस योजना के 10 किलो तक विस्तार पर कांग्रेस में रणनीतिक विरोधाभास क्यों हैं? क्या नेतागण आपस में विमर्श नहीं करते? कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र भी इस मुद्दे पर बिल्कुल खामोश है, लिहाजा कई कांग्रेसी खडग़े की घोषणा से हैरान भी होंगे! कांग्रेस अध्यक्ष ने, सपा अध्यक्ष की मौजूदगी में, नए वायदे की घोषणा तब की है, जब चार चरणों में 378 लोकसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न हो चुका है और 164 सीटों पर मतदान ही शेष है। 70 फीसदी से अधिक जनादेश तय होकर ईवीएम में दर्ज हो चुका है। जिन 164 सीटों पर मतदान अभी शेष है, 2019 के चुनाव में उनमें से 97 सीटें भाजपा ने जीत कर हासिल की थीं। इस बार के आम चुनाव में अब विपक्ष के भीतर ऐसा कौनसा 'सुपर विश्वास' जाग उठा है कि उसने जीत के दावों की बौछार कर दी है। कई बार तो विपक्ष के दावों पर थोड़ा-सा यकीन भी होने लगता है, लेकिन देश के गृहमंत्री अमित शाह का दावा भी कौंधने लगता है कि जिन सीटों पर मतदान हो चुका है, उनमें से 270 सीटें मोदी जीत चुके हैं। यानी बहुमत भाजपा-एनडीए के पक्ष में मिल चुका है।

दोनों पक्षों के दावों को छोड़ भी दिया जाए, तो यह भी नहीं भूलना चाहिए कि विपक्ष ने ऐसे दावे 2019 में भी किए थे। ऐसे आंतरिक सर्वे की बात राहुल गांधी तब भी दोहराया करते थे। मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, चोर चौकीदार नहीं रहेगा, यह तो कांग्रेस का चुनावी जुमला बन गया था। नतीजा पूरा देश जानता है। यदि अब भी आगामी चरणों में भाजपा की 50 फीसदी सीटें भी कम हो जाएं, तब भी वह 319 सीटें जीत सकती है। यदि भाजपा की जीत में 10 फीसदी सीटें ही कम हों, तो भी वह 357 सीटें जीत सकती है। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने इस बार 328 उम्मीदवार ही मैदान में उतारे हैं, लिहाजा 300 से अधिक सीटें जीतने का 'इंडिया' का दावा सवालिया लगता है। अलबत्ता नतीजों को 4 जून पर छोड़ देना चाहिए। मुफ्त अनाज कोरोना महामारी के दौर में राजनीतिक-सामाजिक विवशता थी।

राय

जख्मों पर चुनावी नमक

हिमाचल ने चुनाव के बहाने अपने मुद्दे चुनने शुरू किए हैं, तो यह मानना पड़ेगा कि धरती के लिए जनता के सरोकार गहरा असर रखते हैं। केंद्रीय विषयों से हटकर यहां टक्कर उन कसौटियों की है, जहां सरकारों को अपने प्रदर्शन के घाव भरने हैं। यानी चुनाव के एक पहलू में मोदी तो दूसरे में सुक्खू सरकार है, फिर भी बयानों के तीर चल रहे हैं तूफानों के बीच। यह दीगर है कि मीडिया कुरेद रहा है विकास के जख्मों में फंसे उन मुद्दों को जहां जनप्रतिनिधि संतुष्ट नहीं कर पाए। अंततः सरकारों की प्राथमिकता में हलके छोटे-बड़े साबित हो रहे हैं। चुंबक दौड़ रहे हैं ताकि राजनीतिक धुरवों पर भीड़ एकत्रित हो, लेकिन जनता की सुनवाई में चुनाव की गवाही मंजूर होगी, इसका कोई अंदाजा नहीं। ऊपरी सतह पर ये चुनाव मुद्दाविहीन सरीखी परिस्थिति में हैं, लेकिन भीतरी तौर पर अलग-अलग तहों में सुगबुगाहट है। कांग्रेस उपचुनावों को बिकाऊ माल की तरह देख रही है, तो भाजपा का सारा कर्मकांड वहीं लगा है। यह दीगर है कि कुछ स्थानीय मुद्दे उपचुनावों पर भारी हैं, लेकिन हर अंदाज में कोई न कोई सरगना इनके आगे खड़ा है। चुनाव की भाषा में मर्यादा पीछे छूट गई है और मतदान की फिरौती में उसूल बिक रहे हैं। पहली बार कुछ हस्तियों का चुनावी दर्पण के सामने खड़ा होना भी मुद्दा है। कंगना की जीत हार में जयराम ठाकुर मुद्दा हैं, तो कांगड़ा के श्रृंगार में हिमाचल सरकार मुद्दा है। हमीरपुर में अनुराग की हस्ती को विराम लगाने की हर कोशिश में सरकार का रुतबा उपचुनावों की कलम से लिखा जाएगा, तो सुजानपुर के आसमान को लांघने की मशक्कत में कहां दो जमा दो का गणित बचा है। इस बार चुनावों में अनेकों मुकद्दमे और अनेकों गवाहियां मशक्कत कर रही हैं। इसलिए मुद्दों में मुकद्दमों की पैरवी है ही कहां। ये छह उपचुनाव बारह हस्तियों के बीच भाजपा और कांग्रेस की हस्ती का मजमून हैं, तो कहीं पूरे घटनाक्रम में सरकार के ओहदे और ओहदेदारों को भी घसीट रहा है। इसीलिए ताज्जुब नहीं कि मुद्दों के बजाय सियासी दुश्मनी के मोर्चों पर फैसलों की ताकीद की जा रही है। जनता किसे पसंद करे, किसके बजट पर भरोसा करे। आरोप को माने या प्रत्यारोप को कोसें।

हर कोई अपनी बांसुरी बजा रहा है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के बयानों की कदमताल न जानी और न ही पहचानी जा सकती है। वह दिल्ली के मुख्यमंत्री को मिली सशर्त जमानत को घसीट कर लोकतंत्र के मायनों से ऊपर चुनाव देख रहे हैं या कांगड़ा की हस्ती में निरापद होने की संज्ञा खोज रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अपने प्रयास की खोज में आनंद शर्मा को कांगड़ा ले आए, तो शांता कुमार की फिजाओं का गठजोड़ राजीव भारद्वाज के नाम हो गया। शायद जनता के सामने लोकतांत्रिक मूल्यों के अपरिहार्य अध्याय भी फट चुके हैं। उसे हर चुनाव एक नया दृष्टांत लगता है। वह उम्मीदवारों की जीत में हारने की हस्ती बन चुकी है। छह उपचुनावों का संग्रह उसकी संपत्ति कदापि नहीं, फिर भी इस कुश्ती में उड़ रही धूल उसे देखने नहीं दे रही। जनता को भी मालूम है कि मुद्दे अब चलते नहीं या मुद्दों पर राजनीति चल नहीं सकती, इसलिए वह वोट देने की मशीन की तरह व्यवहार कर रही है। वह वोट बैंक के सोच में अपने मन के खातों में हिसाब लगा रही है। यानी गारंटियों के मार्फत सोचेगी तो ओपीएस उसे विश्वास दिलाएगी, लेकिन मुफ्तखोरी में केंद्र के राशन-मोदी के भाषण पर भरोसा करेगी तो भाजपा की संगठनात्मक ताकत का बिल्ला सीने पर लगाएगी। विचित्र परिस्थितियों और विचित्र समाधानों के चुनावों में क्या जनता अपनी हस्ती के अनुरूप मतदान कर पाएगी, यह भी एक सवाल है जो मुद्दों से इतर न जाने क्या खोज रहा है।

भूपिंद्र सिंह

घटिया खेल सामग्री खरीदना बंद करें

इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा तो स्तरीय खेल सुविधा होगी व जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। घटिया खेल सामान की खरीद बंद हो'

खेल केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं है, अपितु यह किसी भी देश के गौरव व उस देश के नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है। शिक्षा नीति खेलों को किनारे रख कर नहीं बनाई जा सकती है। स्वास्थ्य के मुख्य घटक स्पीड, स्ट्रैंथ, लचक व इडोरैंस को विकसित करने का सही समय बालक के पांच वर्ष से लेकर वयस्क होने तक का होता है। इसलिए शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए असली खेल सामग्री जरूरी है। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है।

विभागों व शिक्षा संस्थानों को चाहिए कि वे घटिया खेल सामग्री की खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को दिलाएं, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं। ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है।

ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे, तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं? इस खेल सामान को खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो, और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं।

आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही है। जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं।

इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी तो वे फिर क्यों अपना प्रदेश छोडेंग़े। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीदना होगा।

पूरन सरमा

सादा जीवन, उच्च विचार की लंगोटी!

वे मेरे पास 'सादा जीवन-उच्च विचार' की लंगोटी लेकर आए और बोले-'शर्मा तुम इसे पहन लो, अब यह मेरे कोई काम नहीं आ रही। बच्चे कहते हैं, इस युग में यह अपने घर में अच्छी नहीं लगती। तुम तो खुद सिद्धान्तवादी हो, इसे पहन लोगे तो पक्के उसूलवादी बन जाओगे। मेरे यहां तो यह बीस वर्षों से खूंटी पर टंगी गंदी हो गई है। किसी बढिया डिटर्जेंट से धोकर पहन लेना, सच्चे आदर्शवादी बन जाओगे।' मैंने कहा-'श्यामलाल जी, कोठी, बंगला, कार और नौकर-चाकर वाले हो गए तो तुम्हारे लिए यह सादा जीवन-उच्च विचार की लंगोटी अप्रासंगिक हो गई। मैं आपकी इस लंगोटी का क्या करूंगा। मैंने तो ऑलरेडी पहले से ही पहन रखी है और इसी से मेरा जीवनयापन हो रहा है, वरना पांच-सात हजार के वेतन से मेरे बंटता क्या है? उसूलों से और सादगी से रहता हूं तो गुजारा हो जाता है, वरना भूखों मरने की नौबत है।' श्यामलाल जी जिद पर अड़े थे, बोले-'तुम एक और लंगोटी पहन लो, गुजारा और आसान हो जाएगा। मैं इसे फेंक भी नहीं सकता। विचार का अपमान मुझे अच्छा नहीं लगता। बच्चे एमएनसी में लगे हुए हैं, मैं पार्षद हूं। अच्छा कमा लेते हैं, अब सादा जीवन-उच्च विचार को हमारे यहां पूछने वाला कोई है नहीं। पोते-पोती कान्वेंट में पढ़ते हैं। पीजा-बर्गर और चाकलेट का सादा जीवन से कोई मेल नहीं। उच्च विचार जबसे राजनीति में आया हूं, तब से बेमानी हो गए हैं, इसलिए भैया मुझे इस बोझ से हल्का तुम ही कर सकते हो। अभी तुम इस बोझ को लादे हुए हो, इसलिए थोड़ा सा वजन और सही। घर इसे लेकर जाऊंगा तो इसकी बहुत बुरी गत होगी।'

तभी मेरी पत्नी आ गई, वह आकर बोली-'श्यामलाल जी आज कैसे हम गरीबों के आना हुआ? और घर में सब ठीक-ठाक तो हैं न?' श्यामलाल जी बोले-'घर में तो सब ठीक हैं भाभी, यह सादा जीवन-उच्च विचार की लंगोटी शर्मा जी को देने आया था, परन्तु ये भी ना-नुकर कर रहे हैं। तुम्हीं समझाओ न, ये इसे भी पहन लें।' पत्नी ने कहा-'शर्मा जी ने तो भैया, पहले से ही पहन रखी है और इसी से काम चल रहा है। मेरा कहा मानो तो दिखाने और वोटर को धोखा देने के लिए आप पहन लो। आजकल बड़े आदमियों की जीवन शैली यही है। अंदर से अलग और बाहर कुछ और। हमने तो इसे आदर्श मानकर अपना रखा है, आपके चुनाव में काम आएगी।' 'उसके लिए तो भाभी मेरे पास हजार पैंतरे और बहाने हैं। वे काम आते हैं। चुनाव आजकल इससे नहीं जीता जाता। वोटर को भी प्रलोभन देकर उसका वोट हासिल किया जाता है। हम राजनेताओं के चेहरे एक नहीं, अनेक हैं, वर्ना हमें जीने कौन दे? काजल की कोठरी में रहते-रहते पूरे काले हो गए हैं। पचास भला-बुरा सुनते हैं, तब राजनीति से कमाकर खाते हैं।' श्यामलाल जी बोले, तो पत्नी ने कहा-'हमें मत समझाओ श्यामलाल जी, हम आज की राजनीति और राजनेताओं को भली प्रकार से जानते हैं। जीवन में कुछ भला भी करो। इस धिक्कारपूर्ण छल-कपट के कोटर से बाहर निकलकर भी देखो। आदमी दो रोटी ही खाता है, नोट नहीं।'

इनसाइड

स्वाति मालीवाल के पास हैं एशियन पेंट्स, TCS जैसी 9 कंपनियों के शेयर; कुल इतनी संपत्ति की हैं मालकिन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) की नेता और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने अपनी पार्टी से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि वह सीएम अरविंद केजरीवाल से मिले मुख्यमंत्री आवास गई थीं, जहां उनके साथ बदसलूकी की गई। हालांकि, AAP नेताओं ने स्वाति के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि स्वाति बीजेपी के इशारे पर AAP के खिलाफ काम कर रही हैं।

स्वाति मालीवाल के चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनकी कुल संपत्ति करीब 20 लाख रुपये है। ठीक-ठीक कहें, तो 19,22,514 रुपये। इसमें जेवरात, नकदी और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट के साथ उनका शेयर बाजार में निवेश भी शामिल है। हालांकि, स्वाति के पास कोई गाड़ी नहीं है और ना ही उन्होंने कोई लोन ले रखा है।

हलफनामे के अनुसार, स्वाति के पास कुल 9 कंपनियों के शेयर हैं और इनमें उन्होंने कुल 8,90,811 रुपये का निवेश कर रखा है। इनमें एशियन पेंट्स, टीसीएस, टाइटन और पिडीलाइट (फेविकोल) शामिल हैं। स्वाति ने सबसे अधिक पैसे एशियन पेंट्स में लगा रखे हैं, 2 लाख रुपये से अधिक। वहीं, टीसीएस, टाइटन और RHI Magneseta में उन्होंने 1-1 लाख रुपये से अधिक का निवेश कर रखा है।

70 प्रतिशत विदेशी कंपनियां भारत में निवेश की इच्छुक, मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाना ही होगा : सीतारमण

परिवहन विशेष न्यूज

निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश को वैश्विक प्राइज सीरीज में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को विनिर्माण के बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

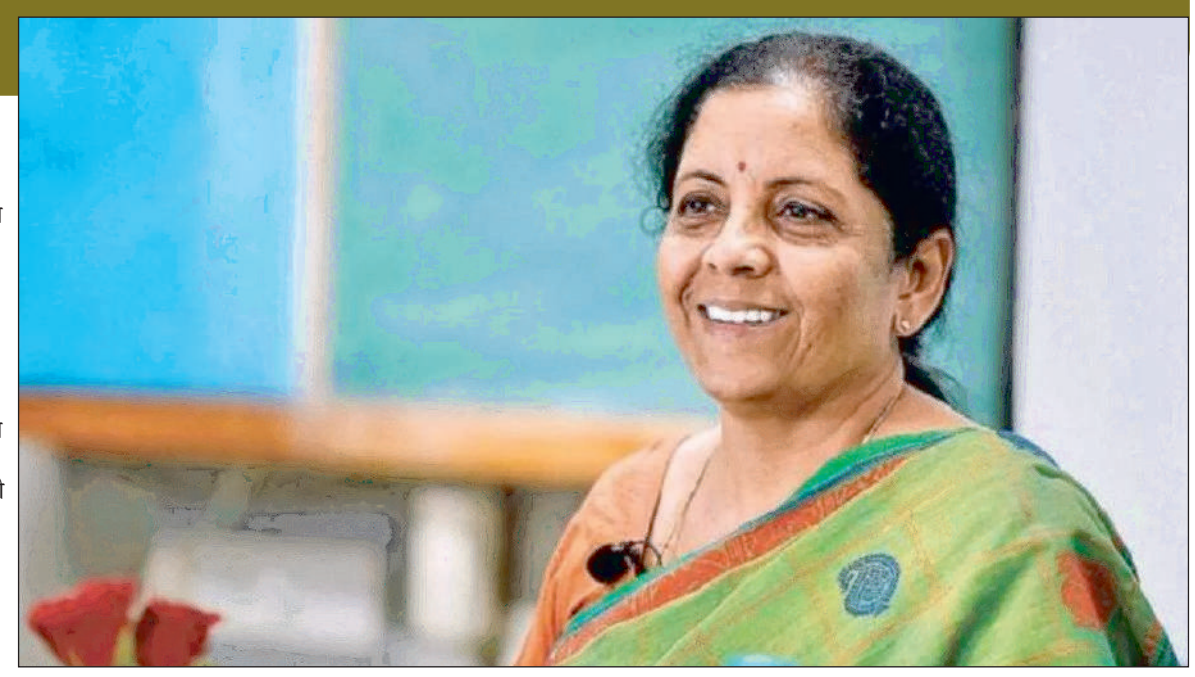

नई दिल्ली। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में भारतीय उद्योग के प्रमुखों को संबोधित करते हुए, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि देश को वैश्विक प्राइज सीरीज में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और 'आत्मनिर्भर' बनने के लिए अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत है। मंत्री ने उत्पाद निर्माण और नीति समर्थन में अधिक शुद्धता ने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

उसने कहा कि मैं कुछ अर्थशास्त्रियों द्वारा दी गई सलाह के खिलाफ भी बहुत कुछ रेखांकित करना चाहता हूं कि भारत को अब मैन्युफैक्चरिंगपर ध्यान नहीं देना चाहिए या मैन्युफैक्चरिंगमें तेजी नहीं लानी चाहिए। मैं इस तथ्य पर प्रकाश डालना चाहता हूं कि मैन्युफैक्चरिंगमें वृद्धि होनी चाहिए। भारत को अपनी नीतियों की मदद से (विनिर्माण) वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हिस्सेदारी भी वृद्धि करनी चाहिए।

भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन सहित कुछ अर्थशास्त्रियों ने राय व्यक्त की है कि भारत को मैन्युफैक्चरिंगके बजाय सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि उसने वह अवसर गंवा दिया है। चीन के मैन्युफैक्चरिंगआधारित विकास मॉडल को अब और दोहराया नहीं जा सकता है।

हालांकि सीतारमण ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंगके विस्तार से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत के पास अभी भी अपनी मैन्युफैक्चरिंगक्षमता बढ़ाने का अवसर है क्योंकि दुनिया कोविड-19 के बाद चीन प्लस वन रणनीति पर ध्यान दे रही है।

मई में जारी कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निवेश स्थलों की सूची में भारत शीर्ष पर है, जो चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और अपनी उभरते बाजारों के लिए मैन्युफैक्चरिंगक्षमता का हिस्सा स्थानांतरित करना चाहते हैं।

सर्वेक्षण में शामिल लगभग 760 अधिकारियों में से पैंसठ प्रतिशत ने कहा है कि वे भारत में उल्लेखनीय रूप से निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। वर्तमान में, दूरसंचार क्षेत्र की पीएलआई ने भारत को एक बेहतर आत्मनिर्भर बनने में मदद की है क्योंकि दूरसंचार क्षेत्र में 60 प्रतिशत आयात प्रतिस्थापन हासिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह अपने आप में हमारे भारतीय उद्योग के लिए काफी बड़ा दायरा देता है और पीएलआई योजना मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में भी बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि 2014 में 78 प्रतिशत आयात से निर्भरता तक, आज भारत में बिकने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल भारत में बने हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन विनिर्माण

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंगमें भी मूल्यवर्धन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 2014-15 के नगण्य स्तर से 20 प्रतिशत को पार कर गया है। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, पिछले साल 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के साथ भारत चीन के बाहर आईफोन के लिए एप्पल का दूसरा सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंगकेंद्र बन गया है।

सेवा क्षेत्र के बारे में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि दुनिया के 50 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) पर भारत का कब्जा है और यह महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक अवसर पैदा करने वाला सबसे पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है। भारत में जीसीसी की संख्या इस समय 1,580 से अधिक हो गई है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर और स्थिर विकास और उच्च विकास के लिए मौलिक आधार नीतिगत स्थिरता, फ्लिप फ्लॉप की अनुपस्थिति, भ्रष्टाचार मुक्त निर्णय लेना और यह सुनिश्चित करना है कि विधायी और कानूनी ढांचे दोनों में सुविधा एक साथ चल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत के विकास में निजी क्षेत्र को एक भागीदार के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि हम निजी क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ी भूमिका देखते हैं और हम विकास में उनके साथ साझेदारी करना चाहेंगे और सरकार एक सुविधाप्रदाता और समर्थक के रूप में काम करेगी।

फिर से बढ़ गई चांदी की कीमत मगर गिर गए सोने के दाम, रोज नए रिकॉर्ड बना रहा सिल्वर

चांदी की कीमतें लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड तोड़ तेजी के साथ शुक्रवार को 89000 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं जबकि सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 73900 रुपये प्रति 10 पर आ गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2380 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में मजबूती के रुझान के अनुरूप ग्राम स्थानीय बाजार में चांदी की कीमतें लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड तोड़ तेजी के साथ शुक्रवार को 89,000 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, जबकि सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 पर आ गईं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतें 300 रुपये उछलकर 89,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में यह 88,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इस बीच सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गईं। पिछले सत्र में यह 74,050 रुपये पर बंद हुआ था।

सोने की कीमतों में गिरावट

शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी की पैदावार कई सप्ताह के निचले स्तर से उबर गई। अमेरिकी डॉलर सूचकांक वर्तमान में पिछले बंद के मुकाबले 0.22 प्रतिशत अधिक है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि व्यापारियों ने ब्याज दरों के भविष्य के मार्ग का पुनर्मूल्यांकन किया, जिससे अमेरिकी डॉलर और पैदावार में सुधार हुआ, अमेरिकी फेड के नीति निर्माताओं ने कम उधार लेने की लागत को उचित ठहराने के लिए अमेरिकी मुद्रास्फीति को और कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया और संकेत दिया कि विस्तारित अवधि के लिए उधार लेने की लागत अधिक रहनी चाहिए।

साल के अंत तक भारत-रूस में होगा वीजा फ्री आने जाने का समझौता, भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है रूस

नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक भारतीय पक्ष समूह में यात्रा करने वाले रूसी पर्यटकों को वीजा फ्री की सुविधा देने को लेकर विमर्श शुरू कर चुका है। साथ ही इस बारे में सभी राज्यों के बीच समन्वय बनाने का भी काम हो रहा है। रूस ने हाल ही में चीन और ईरान के साथ भी इसी तरह का समझौता किया है।

नई दिल्ली। रूस ज्यादा से ज्यादा भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है और इसके लिए वह भारतीयों को वीजा फ्री आगमन की अनुमति देने जा रहा है। दोनों देशों के बीच इस बारे में इस साल के अंत तक समझौता होने की संभावना है। एक दूसरे देश के नागरिकों को वीजा फ्री आवागमन की सुविधा देने को लेकर भारत व रूस के उच्च अधिकारियों की एक दिन पहले कजान शहर में बैठक हुई है।

बहुत संभव है कि इस साल के अंत में जब दोनों देशों के शीर्षस्तरीय नेताओं की बैठक हो तब इस बारे में समझौता हो। भारत के प्रधानमंत्रियों और रूस के राष्ट्रपति के बीच सालाना बैठक होती है, हालांकि वर्ष 2022 व वर्ष 2023 में यह नहीं हुई है। दोनों तरफ के विदेश मंत्रालयों की तरफ से इस साल बैठक कराने की योजना है।

भारत की तरफ से शुरू हो चुका है विचार विमर्श

नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक भारतीय पक्ष समूह में यात्रा करने वाले रूसी पर्यटकों को वीजा फ्री की सुविधा देने को लेकर विमर्श शुरू कर चुका है। साथ ही इस बारे में सभी राज्यों के बीच समन्वय बनाने का भी काम हो रहा है। रूस ने हाल ही में चीन और ईरान के साथ भी इसी तरह का समझौता किया है।

कई देशों में भारतीय पर्यटकों के लिए है वीजा फ्री इंट्री

यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह के हालात बने हैं उसमें रूस की तरफ से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की कोशिश के तहत यह काम हो रहा है। वैसे हाल के वर्षों में दूसरे कई देशों ने भी भारतीयों के लिए वीजा फ्री इंट्री की घोषणा की है। इसमें श्रीलंका, ईरान, थाईलैंड जैसे देश भी हैं। यूरोपीय संघ ने भी भारतीयों को लंबी अवधि के वीजा देने की योजना को मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू की है।

फिक्की की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2022 में दो करोड़ भारतीयों ने विदेश की यात्रा की थी। हालांकि कोविड से पहले यह संख्या 2.7 करोड़ थी। वर्ष 2024 में कोविड के पहले वाले स्तर पर भारतीय पर्यटकों की संख्या पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इस साल बाहर जाने वाले भारतीयों की तरफ से 42 अरब डॉलर की राशि खर्च किये जाने की संभावना है।

शेयर मार्किट ने कैंसिल की छुट्टी, कल दो स्पेशल ट्रेडिंग के लिए खुलेगा बाजार, यहां जानें क्या है टाइमिंग

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में वैसे तो सोमवार से शुक्रवार को कारोबार होता है, लेकिन कई बार स्पेशल लाइव ट्रेडिंग भी होती है। दरअसल, जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो फिर दोनों सूचकांक गिरावट से रिकवरी के लिए स्पेशल ट्रेडिंग करते हैं। इसके अलावा कई बार साइट टेस्ट के लिए भी स्पेशल ट्रेडिंग होती है।

स्टॉक मार्केट 18 मई 2024 (शनिवार) को खुलेगा। वैसे तो कल शनिवार है यानी मार्केट बंद रहता है पर स्पेशल ट्रेडिंग की वजह से कल बाजार में कारोबार होगा। कल बाजार में दो स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन होंगे। स्टॉक एक्सचेंज ने डिजास्टर रिकवरी साइट को टेस्ट करने के लिए यह फैसला लिया है।

इस बात की जानकारी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने 7 मई 2024 को दे दी थी। स्टॉक एक्सचेंज ने इसके लिए सर्कुलर जारी किया था। सर्कुलर के अनुसार बताया था कि इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी के लिए स्पेशल ट्रेडिंग करेगा। एक्सचेंज साइट पर इंट्रा-डे स्विच के साथ यह स्पेशल ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेगा।

गौतम अडानी ने दिया लवली का साथ, अदानी फाउंडेशन ने ली पढ़ाई और इलाज की पूरी जिम्मेदारी

एक्स पर एक पोस्ट वायरल हो रहा था जिसमें उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की लवली की वीडियो थी। इस पोस्ट पर गौतम अदाणी ने प्रतिक्रिया दी। गौतम अदाणी ने एक्स पर एक पोस्ट में लवली और उनके परिवार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लवली की पढ़ाई और इलाज की पूरी जिम्मेदारी अदानी फाउंडेशन लेगा।

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी (गौतम अडानी) ने आज अपने एक्स पर पोस्ट करके जानकारी दी कि अडानी फाउंडेशन (अदानी फाउंडेशन) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की युवा लड़की लवली के लिए मेडिकल ट्रीटमेंट सुनिश्चित करेगा।

दरअसल, एक्स पर एक पोस्ट वायरल हो रही थी। इस पोस्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की लवली का पालन-पोषण उसके दादा-दादी कर रही है। कुछ समय पहले लवली की मां का देहांत हो गया था और उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली थी।

उद्योगपति गौतम अडानी ने शुक्रवार को घोषणा की कि अडानी फाउंडेशन उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की एक युवा लड़की लवली के लिए अच्छा चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करेगा। लवली बचपन से ही विकृत बाएं पैर और हाथ की समस्या से जूझ रही हैं, फिर भी उसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी। लवली लखीमपुर खीरी जिले के कंधरापुर गांव में रहती है।

गौतम अदाणी ने एक्स पर एक पोस्ट में लवली और उनके परिवार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि ₹एक बेटी का बचपन इस तरह छिन जाना दुखद है ! इतनी कम उम्र में लवली और उसके दादा-दादी का संघर्ष दर्शाता है कि एक साधारण भारतीय परिवार कभी हार नहीं मानता। @AdaniFoundation यह सुनिश्चित करेगा कि लवली को बेहतर इलाज मिले और वह अन्य बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सके।"

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां बढ़ीं, संयुक्त राष्ट्र ने बताया कितनी रहेगी विकास दर

भारत आर्थिक मोर्चे पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। IMF और गोल्डमैन सैक्स जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगातार बढ़ा रही हैं। लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था की बात करें तो उसमें ज्यादा तेजी की संभावना नजर नहीं आती।

नई दिल्ली। भारत आर्थिक मोर्चे पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। IMF और गोल्डमैन सैक्स जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगातार बढ़ा रही हैं। लेकिन, वैश्विक अर्थव्यवस्था की बात करें, तो उसमें ज्यादा तेजी की संभावना नजर नहीं आती।

वर्ल्ड इकोनॉमिक सिचुएशन एंड प्रोस्पेक्ट्स रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ल्ड इकोनॉमी की अनुमानित ग्रोथ 2024 में 2.7 और 2025 में 2.8 फीसदी के आसपास बनी रहने की संभावना है। इस रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र के डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स ने जारी किया है।

सुधर रही है वैश्विक अर्थव्यवस्था

रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल जनवरी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार दिखा है। खासकर, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गंभीर गिरावट का ट्रेंड नहीं दिख रहा। साथ ही, वे बेरोजगारी को बढ़ाए बिना महंगाई को नीचे ला रही हैं, जो इकोनॉमी के लिए काफी अच्छा संकेत है।

यही वजह है कि वर्ल्ड इकोनॉमी की ग्रोथ के अनुमान को जनवरी के मुकाबले बढ़ाया गया है। अगर 2024 की बात करें, तो इसमें 0.3 पर्सेंटेज प्वॉइंट और 2025 में 0.1 पर्सेंटेज प्वॉइंट का इजाफा किया गया है।

चुनौतियां भी कम नहीं

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने वर्ल्ड ग्रोथ आउटलुक को सावधानीपूर्वक ऑप्टिमिस्टिक यानी आशावादी कैटेगरी में रखा है। उसका कहना है कि ब्याज दरों में काफी लंबे वक्त से बदलाव नहीं हुआ है और वे ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। कर्ज से जुड़ी चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। भूराजनीतिक तनाव अलग माहौल खराब कर रहा है। जयवायु परिवर्तन से जुड़ा संकट भी बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि ये समस्याएं दशकों में हासिल किए गए विकास को मिट्टी में मिला सकती हैं। उसने कहा कि यह समस्या खासकर कम विकसित मुल्कों और छोटे द्वीपीय देशों के लिए है, जो अभी विकासशील कैटेगरी में हैं।

चार साल में 1500 फीसदी का छप्परफाड़ रिटर्न, डिफेंस सेक्टर के इस स्टॉक ने निवेशकों की भरी तिजोरी

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स) का शेयर निवेशकों के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित हुआ है। इस शेयर ने पिछले 1 साल में 250 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न (मल्टीबैगर रिटर्न) दिया है। लेकिन अगर आप मझगांव डॉक के पिछले चार साल का लेखाजोखा देखेंगे तो आपके होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले इस स्टॉक की पूरी कहानी।

नई दिल्ली। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स (Mazagon Dock Shipbuilders) का शेयर निवेशकों के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित हुआ है। इस शेयर ने पिछले 1 साल में 250 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न (Multibagger Return) दिया है। लेकिन, अगर आप मझगांव डॉक के पिछले चार साल का लेखाजोखा देखेंगे, तो आपके होश उड़ जाएंगे।

मझगांव डॉक ने अक्टूबर 2020 से शेयर मार्केट में अपना सफर शुरू किया। उस वक्त इसका भाव सिर्फ 168 रुपये। अगले दो साल के दौरान यह शेयर 300 रुपये के आसपास हिचकोले खाता रहा। इसने तूफानी रफ्तार पकड़ी 2022 के आखिर में। दिसंबर 2022 तक मझगांव डॉक का शेयर 800 रुपये के पार पहुंच गया।

वहां से मझगांव डॉक ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2023 की दूसरी छमाही में इसने 2,000 रुपये का लेवल टच कर लिया। अब भी यह शेयर रुकने का नाम नहीं ले रहा। फिलहाल, इसका भाव 2,700 रुपये से अधिक है। भारत जिस तरह से डिफेंस सेक्टर पर फोकस कर रहा है, उससे नहीं लगता कि यह स्टॉक अभी रुकने के मूड में नहीं है।

मझगांव डॉक से निवेशकों की चांदी

मझगांव डॉक ने अपने चार साल के सफर में 1,500 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसका मतलब कि अगर आपने चार साल पहले मझगांव डॉक के स्टॉक में डेढ़ लाख का निवेश किया होता, तो आज आपके हाथ में करीब 25 लाख रुपये होते। वहीं, साढ़े 6 लाख रुपये का निवेश आपको करोड़पति बना चुका होता।

पिछले एक साल में भी मझगांव डॉक ने तीन गुना से अधिक का रिटर्न दिया है। मतलब कि अगर आपने पिछले साल इसमें 1 लाख रुपये का निवेश किया होता, तो आज की तारीख में आपके पास तीन लाख रुपये से अधिक होते।

क्या करती है मझगांव डॉक

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स दरअसल शिप और इससे जुड़ी सर्विसेज उपलब्ध कराती है, कोचीन शिपयार्ड (Cochin Shipyard) की तरह। यह भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत और पनडुब्बियां बनाती है। साथ ही, ऑफशोर ऑयल ड्रिलिंग के लिए जहाजों का भी निर्माण करती है। कंपनी का मार्च तिमाही का रिजल्ट काफी दमदार रहा और हेल्दी ऑर्डर बुक के चलते इसके शेयरों में लगातार तेजी देखी जा रही है।

भारत सरकार डिफेंस सेक्टर पर काफी फोकस कर रही है। प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसी नोमुरा की एक रिपोर्ट बताती है कि अगले 10 साल के दौरान भारत के डिफेंस सेक्टर का मार्केट करीब 130 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इससे उन सभी कंपनियों को फायदा मिल रहा है, जो किसी ना किसी रूप में डिफेंस सेक्टर से जुड़ी हैं। इनमें मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स भी शामिल है।

हवा में बनेगी 1200 किलोमीटर लंबी सड़क, कब और कहां जाने

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। 5 साल और फिर शहरों से गायब हो जाएगा ट्रैफिक. कार सहित अन्य मोटर वाहन की बढ़ती संख्या और सड़कों पर लगते घंटों के जाम से छुटकारा दिलाने के लिए मोदी सरकार ने दुनिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया है.

खास बात ये है कि इस प्रोजेक्ट के तहत शहरों के ऊपर 'सड़क' बिछाई जाएगी और लोग हवा में सफर करेंगे. ऐसा एक या दो शहर में नहीं, बल्कि करीब 200 शहरों में प्रोजेक्ट तैयार होगा. इस पर करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे. 30 प्रोजेक्ट पर तो काम शुरू भी हो चुका है. इसकी कुल लंबाई करीब 1200 किलोमीटर रहने का अनुमान है.

सरकार ने भारतमाला परियोजना के तहत देशभर में 200 रोपवे प्रोजेक्ट (केबल कार) चलाने की योजना बनाई है. इससे न सिर्फ सफर आसान होगा, बल्कि सड़कों पर ट्रैफिक घटाने में भी मदद मिलेगी. केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट पर कुल सवा लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसमें से 60 फीसदी पैसा केंद्र सरकार देगी, जबकि शेष प्राइवेट सेक्टर के निवेश से जुटाया जाएगा. अभी तक देश में 120 किलोमीटर लंबे 30 रोपवे प्रोजेक्ट शुरू किए जा चुके हैं. देश में पहली बार रोपवे का सफर 1968 में शुरू हुआ था, तब इसकी कुल लंबाई 65 किलोमीटर थी. सरकार का मानना है कि 2026 तक 8 प्रोजेक्ट शुरू हो जाएंगे, जबकि सभी प्रोजेक्ट को 5 साल में पूरा करने का लक्ष्य है.

15 मिनट में तय होगी घंटेभर की दूरी

भारतमाला परियोजना के तहत ही देश का पहला अर्बन रोपवे प्रोजेक्ट वाराणसी में पूरा किया जा रहा है. शहर में रोपवे चलाने का यह पहला अनुभव होगा. वाराणसी में सबसे ज्यादा जाम लगने वाली जगह गोड़ौलिया चौक है, जो रोपवे बनने से खाली हो जाएगा. अभी बनारस में जिस दूरी को तय करने में 1 घंटे का समय लग जाता है, उसे रोपवे से पूरा करने में सिर्फ 15 मिनट का समय लगेगा. रोपवे से वाराणसी रेलवे स्टेशन से काशी विश्वनाथ मंदिर का सफर बिना ट्रैफिक जाम के ही पूरा किया जा सकेगा. इस रोपवे की दूरी 4 किलोमीटर की होगी. करीब 650 करोड़ रुपये में बन रहा यह प्रोजेक्ट **मार्च, 2025 तक पूरा हो जाएगा. इसके रास्ते में 5 स्टेशन विद्यापीठ**, रथ यात्रा, गिरजा रेलवे स्टेशन और काशी विश्वनाथ मंदिर पड़ेगा. इसकी क्षमता रोजाना 1 लाख लोगों को लाने-ले जाने की होगी.

60 की जगह बस 3 मिनट लगेंगे दूसरा शहरी रोपवे प्रोजेक्ट हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कुलताजपुर गांव से दोषी हिलटॉप तक बनाया जा रहा है. अभी इस दूरी को तय करने में 1 घंटे का समय लगता है, लेकिन रोपवे से महज 3 मिनट में पूरा किया जा सकेगा. यहां दिसंबर, 2025 तक काम पूरा हो जाएगा और 900 मीटर लंबे इस प्रोजेक्ट से रोजाना 5,000 पैसेंजर यात्रा कर सकेंगे.

संगम पर बनेगा 2 किलोमीटर लंबा रोपवे

यूपी के प्रयागराज में संगम किनारे 2 किलोमीटर लंबा रोपवे बनाया जा रहा, जो जनवरी, 2026 तक तैयार हो जाएगा. शंकर विमान मंडपम से त्रिवेणी पुष्प तक बनने वाले इस रोपवे से रोजाना 30 हजार लोग सफर कर सकेंगे. अभी इस दूरी को तय करने में 30 मिनट का समय लग जाता है, जो प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद सिर्फ 7 मिनट में तय हो सकेगा.

इन प्रोजेक्ट पर भी चल रहा काम रोपवे प्रोजेक्ट में सबसे महत्वपूर्ण गौरीकुंड से केदारनाथ तक बन रहा 10 किलोमीटर लंबा केबल कार है, जो 8 घंटे की दूरी को महज 30 मिनट में पूरी कर देगा. यह प्रोजेक्ट 2029 तक पूरा होगा और रोजाना 36 हजार यात्रियों को ले जाने की क्षमता होगी. इसके अलावा हेमकुंड साहिब के लिए 12 किलोमीटर लंबा रोपवे बनाया जा रहा है. इससे गोविंद घाट से हेमकुंड की दूरी को सिर्फ 3 घंटे में पूरा किया जा सकेगा. अभी इसमें 3 दिन का समय लग जाता है. इस केबल कार से रोजाना 22 हजार लोग यात्रा कर सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब, 48 घंटे में मतदान का आंकड़ा जारी करने का है मामला; अब इस दिन होगी अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगने के चुनाव आयोग के अनुरोध को उचित बताया। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। याचिका में लोकसभा चुनाव के प्रत्येक चरण का मतदान होने के बाद इसका आंकड़ा चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

चुनाव आयोग को दिया जाना चाहिए समयः CJI

इससे पहले दिन में वकील प्रशांत भूषण ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया था कि याचिका पर आज ही सुनवाई की जाए। जस्टिस एएस बोपन्ना को विदाई देने के लिए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शीर्ष अदालत की पीठ शाम को सुनवाई के लिए बैठी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने याचिका पर जवाब देने के लिए समय मांगने के चुनाव आयोग के अनुरोध को उचित बताया। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को याचिका पर जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए।

याचिका में लगाए गए हैं गलत आरोपः EC के वकील

इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने याचिका को लोकसभा चुनाव के छठे चरण से एक दिन पहले 24 मई को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान उचित पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि एनजीओ एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने याचिका में बिल्कुल गलत आरोप लगाए हैं।

इसके अलावा जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने कुछ मुद्दों का निपटारा किया है। यह मुद्दा वर्तमान मामले का भी हिस्सा है।

'एक-एक दिन कीमती है नागरिक की आजादी...', सुप्रीम कोर्ट ने HC से अमनदीप की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई करने को कहा

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ता की जमानत याचिका एक अरसे से लंबित है इसलिए आजादी के उसके मूल्यवान अधिकार के लिए उसे लंबे समय तक वंचित रखा नहीं जा सकता।साथ ही दिल्ली HC से आग्रह किया है कि वह ग्रीष्मावकाश से पहले कारोबारी अमनदीप सिंह ढाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करें।खंडपीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द इस मामले का निस्तारण हो।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ता की जमानत याचिका एक अरसे से लंबित है इसलिए आजादी के उसके मूल्यवान अधिकार के लिए उसे लंबे समय तक वंचित रखा नहीं जा सकता। साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट से आग्रह किया है कि वह ग्रीष्मावकाश से पहले कारोबारी अमनदीप सिंह ढाल की जमानत याचिका पर सुनवाई करें।

SC ने HC को दिया जल्द सुनवाई करने का को कहा

जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की खंडपीठ ने शुक्रवार को यह टिप्पणी तब की जब उन्हें बताया गया कि अमनदीप सिंह ढाल की याचिका बहुत लंबे समय से लंबित है और हाई कोर्ट ने सुनवाई को जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया है। खंडपीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द इस मामले का निस्तारण हो।

आजादी का मामले में एक दिन कीमती

खंडपीठ ने कहा कि एक-एक दिन कीमती है जब किसी नागरिक की आजादी का मामला हो। ढाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि पिछले साल जुलाई से उनकी जमानत याचिका की सुनवाई को 40 बार स्थगित किया गया है। ढाल एक्साइज पुलिस की अनियमितताओं के मामलों में आरोपित हैं। इस मामले की जांच सीबीआइ और ईडी कर रहे हैं।

'अगर आतंकवाद फैलाया तो...', भारत ने पाकिस्तान को दी खुले शब्दों में चेतावनी; जयशंकर ने इस मसले पर पाक को धो डाला!

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश भारत में सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करता है तो उसको गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान लगातार अपने देश में आतंकवाद का पनाहगार बना हुआ है।भारत के लोगों ने 2014 में बहुत स्पष्ट निर्णय लिया था कि वे इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को खुले शब्दों में चेतावनी दी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश भारत में सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करता है तो उसको गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत में किसी भी तरह की सीमा पार आतंकवाद गतिविधि के प्रति सहनशीलता बहुत कम है।

'90 से अधिक लिखे फैसले....', सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस बोपन्ना को दी गई विदाई; सीजेआई ने बताया क्रिकेट का राहुल द्रविड

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को आगामी 19 मई को सेवानिवृत्त हो रहे न्यायाधीश एएस बोपन्ना को विदाई दी। इस दौरान जस्टिस बोपन्ना ने कहा कि देश की शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में करियर के अंत होना मेरे लिए काफी संतोषजनक है। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए हर दिन एक नया दिन और अनुभव था।

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को आगामी 19 मई को सेवानिवृत्त हो रहे न्यायाधीश एएस बोपन्ना को विदाई दी। इस दौरान उन्होंने निवर्तमान न्यायाधीश की न्याय की प्रमाणिक भावना, समयबद्धता और सहानुभूति की सराहना की। जस्टिस बोपन्ना को गत 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

जस्टिस बोपन्ना ने लिखे 90 से अधिक फैसलेः CJI

ग्रीष्म अवकाश के लिए बंद होने से पहले शीर्ष अदालत के आखिरी कार्यदिवस पर आयोजित विदाई समारोह में सीजेआई ने कहा कि अपने पांच साल के कार्यकाल में जस्टिस बोपन्ना ने सेवा से संपत्ति और नागरिक कानून के 90 से अधिक फैसले लिखे और उनका कार्यकाल ईमानदारी और कानून के शासन के प्रति अटूट समर्पण की मिसाल रहा। मेरी नजर में जस्टिस बोपन्ना राहुल द्रविड़ के समान हैं।

हर दिन था एक नया अनुभव- जस्टिस बोपन्ना

उन्होंने कहा कि बेंच और बाहर उनसे बातचीत के दौरान मैं निष्पक्षता और सहानुभूति में संतुलन बनाए रखने की उनकी क्षमता से आश्चर्यचकित हूं। इस दौरान जस्टिस बोपन्ना ने कहा कि देश की शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में करियर के अंत होना मेरे लिए काफी संतोषजनक है। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए हर दिन एक नया दिन और अनुभव था।

लालची एक्टर्स और क्रिकेटर्स हमारी आने वाली पीढ़ी को कर रहें हैं बर्बाद : अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

एक्टर्स और क्रिकेटर्स विज्ञापनों के माध्यम से युवाओं को गुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो कर रहें प्रेरित : अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

जुआ खेलने और गुटखा खाने को इंस्पायर करने वाले सभी विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए : अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

आगरा। सिरफ़ चंद पैसे के लालच के लिए फ़िल्म अभिनेता और युवाओं के रॉल मॉडल क्रिकेटर्स जनता से ज़हरीला ग़ुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो विज्ञापनों के माध्यम से प्रेरित कर रहें हैं। क्या ऐसा करना देशहित में सही हैं ?

इस सन्दर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट ने राष्ट्रहित में अपनी राय रखते हुए पत्रकार वार्ता में बताया कि यक़ीन नहीं होता कि सिरफ़ चंद पैसे के लालच के लिए एक्टर्स और युवाओं के रॉल मॉडल क्रिकेटर्स भारत की जनता से ज़हरीला ग़ुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो विज्ञापनों के माध्यम से प्रेरित कर रहें हैं। क्या ऐसा करना देशहित में सही हैं ? लेकिन एक बात आप ध्यान से समझ लीजिए कि इन्होने तो मोटा पैसा कमा लिया हैं। अगर आप को इन सब जीवन बर्बाद करने वाली चीजों की लत गयी ना, तो आप ना घर के रहेंगे ना घाट के, अगर इनके विज्ञापनों के बहकाबे में आप आगये ना तो इस देश में आज के बाद कोई भी बड़ा क्रिकेटर नहीं बन पायेगा।

उन्होंने आगे कहा कि आज हम एक ऐसे समय से गुजर रहे हैं, जहां युवाओं के रोल मॉडल ही उन्हें गुटखा खाने को इंस्पायर कर रहे हैं या जुआ खेलने को श्रेष्ठ बता रहे हैं, इन लोगों की मानसिकता का आलम ये है कि खुद तो दूध में चीनी तक डालकर नहीं पीते लेकिन देश के भविष्य को निठल्ला बनाने के प्रयास के साथ - साथ, चंद पैसे के लालच के लिए देश का युवा को बर्बाद कर रहे हैं। इन लालची और सामाजिक पाखंड के विशेषज्ञ लोगों को समाज, पारिवारिक संस्कार व देश की संस्कृति से कोई मतलब नहीं हैं। यह लालची लोग हमारी आने वाली पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं। समाज के लिए इनके द्वारा किया गया यह कृत्य बहुत ही गलत है। इसलिए हमारी सभी से विनम्र अपील हैं कि जुआ खेलने को और गुटखा खाने को इंस्पायर करने वाले सभी विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए और इस मामले में हर परिवारीजन से आग्रह है कि इस विसंगति के कार्यों पर नजर रखें और परिवार व युवा पीढ़ी को बचायें।

भारत की खुफिया जानकारी के लिए हनी ट्रैप का जाल, नौसेना जासूसी मामले में NIA की रडार में कई आरोपी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारतीय नौसेना में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से जुड़े जासूसी मामले में एक और व्यक्ति के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया। इस मामले में अमन सलीम शेख मुख्य आरोपी है जिसमें पाकिस्तानी एजेंटों द्वारा भारतीय नौसेना कर्मियों को हनी-ट्रैप में फंसाकर रक्षा प्रतिष्ठानों के बारे में गुप्त जानकारी जुटाने की साजिश शामिल है। इस मामले में अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

नई दिल्ली। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की खुफिया जानकारियां हासिल करने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनी ट्रैप में फंसाने की साजिश रच रही है। इससे जुड़े विशाखापत्तनम जासूसी मामले में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मुंबई के निवासी अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र

आधिकारिक बयान में शुक्रवार को बताया गया कि एनआइए ने रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एक प्रमुख आरोपित अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एनआइए की विशेष अदालत में गुरुवार को शेख के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया। एनआइए ने मुंबई में पिछले साल 20 नवंबर को अमान सलीम शेख को गिरफ्तार किया था। शेख समेत मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपितों की कुल संख्या तीन हो गई है। दो फरार पाकिस्तानी गुर्गों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एनआइए पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। पिछले साल छह नवंबर को एनआइए ने दो अन्य आरोपितों मनमोहन सुरेंद्र पांडा और अल्वेन के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था।

आतंकवाद निरोधी एजेंसी ने शुक्रवार को विशाखापत्तनम में एनआईए की विशेष अदालत में पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया, जिसमें मुंबई (महाराष्ट्र) निवासी अमन पर भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, उड़ान भरने के 18 मिनट बाद एयर इंडिया की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग; जानें कारण

परिवहन विशेष न्यूज

जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 807 ने आइजीआई एयरपोर्ट से निर्धारित समय से 10 मिनट के विलंब से शाम साढ़े पांच बजे रवाना हुई। उड़ान ने अभी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु सीमा भी पार नहीं की थी पायलट को आशंका हुई कि विमान के वातानुकूलन में आग लगी है। इसके 18 मिनट बाद ही कई चक्कर के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की गई।

नई दिल्ली। बेंगलुरू के लिए रवाना हुई एयर इंडिया की उड़ान में आग लगने की आशंका के कारण रवाना होने के करीब 18 मिनट बाद ही आइजीआई एयरपोर्ट लौट आई। विमान ने आइजीआई एयरपोर्ट के रनवे पर इमरजेंसी लैंडिंग की। विमान में सवार सभी 175 यात्री सुरक्षित हैं।

जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 807 ने आइजीआई एयरपोर्ट से निर्धारित समय से 10 मिनट के विलंब से शाम साढ़े पांच बजे रवाना हुई। उड़ान ने अभी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु सीमा भी पार नहीं की थी, पायलट को आशंका हुई कि विमान के वातानुकूलन में आग लगी है।

कई चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट की हुई सेफ लैंडिंग

इसके बाद पायलट ने इस प्रकरण से तत्काल आइजीआई एयरपोर्ट के एटीसी को अवगत कराया। पायलट ने विमान को वापस लौटाने का फैसला किया। एटीसी से मंजूरी के बाद विमान ने रास्ता मोड़ा और हरियाणा के तावड़ू व उत्तर प्रदेश के रबुपुरा व जेवर के उपर कई चक्कर काटने के बाद आइजीआई एयरपोर्ट पर 6.38 बजे लैंडिंग की।

विमान की सुरक्षित हुई इमरजेंसी लैंडिंग : इधर, पायलट से मिली जानकारी के आधार पर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की पूरी तैयारी कर ली गई। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान की इमरजेंसी लैंडिंग सुरक्षित कराई गई। लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। फिलहाल इस प्रकरण पर एयर इंडिया की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023